केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

श्री महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

संघर्ष थकाता अवश्य है, किन्तु हमें बाहर से सुंदर और अंदर से मजबूत बनाता है...

वर्ष 13 अंक 261 | उज्जैन, शनिवार 4 मार्च 2023 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

टूरिज्म का केंद्र बन रहे हमारे गांव, पर्यटन विकास पर बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली/जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश में पर्यटन विकास के लिए वैज्ञानिक तरीके और नई सोच के साथ विकसित किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में कृषि, अवसंरचना एवं कपड़ा जैसे क्षेत्रों की ही तरह रोजगार के विशाल अवसर सृजित करने की संभावना है। श्री मोदी बजट के बाद की वेबिनार-शृंखला की शुक्रवार की कड़ी में पर्यटन क्षेत्र के विकास विषय पर सरकार और अन्य हितधारकों के प्रतिधियों की चर्चा का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने इस क्षेत्र के लिए लंबी अवधि की योजना पर काम किए जाने का सुझाव रखा। भारत के पर्यटक स्थलों से संबंधित ऐप और डिजिटल कंटेंट को संयुक्त राष्ट्र की सभी मान्यता प्राप्त भाषाओं के साथ देश की सभी प्रमुख भाषाओं में तैयार करने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों पर साइनेज (मार्ग निर्देशक पट) भी यथा संभव सभी भाषाओं में होने चाहिए, जिससे दूसरे भाषाभाषी पर्यटकों को बहुत आसानी हो जाती है। उन्होंने टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सरकार की कई योजनाओं का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज वह समय है, जब हमारे गांव भी टूरिज्म का केंद्र बन रहे हैं। बेहतर होते इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण अब दूर-सुदूर के गांव टूरिज्म मैप पर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के बॉर्डर इलाकों का भी तेजी से विकास हो रहा है। बॉर्डर किनारे बसे गांवों में 'वाइब्रेंट बॉर्डर विलेज योजना' भी शुरू की है। श्री मोदी ने कहा कि हमें देश में टूरिज्म सेक्टर को नई ऊंचाई देने के लिए लीक से हट कर सोचना होगा और लंबी अवधि की योजना बना कर चलना होगा।

शांति का पक्षकार है चीन, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने की खूब तारीफ

लंदन/जीएनएस। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चीन की तारीफ की है। उनकी तरफ से जोर देकर कहा गया है कि चीन शांति का पक्षकार है। उन्होंने कई उदाहरणों के जरिए अपनी बात को समझाने की कोशिश की है। उन्होंने चीन की रणनीति का जिक्र किया है, उसके द्वारा किए गए विकास की बात की है और पश्चिमी देशों की विचारधारा पर भी विस्तार से बताया है। राहुल गांधी ने कहा कि आप चीन में जिस तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर देखते हो, रेलवे, एयरपोर्ट देखते हो, ये सबकुछ प्रकृति से जुड़ा हुआ है, नदी की ताकत है। चीन प्रकृति के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है। वहीं बात जब अमरीका की आती है, वे खुद को प्रकृति से बड़ा मानता है। यही बताने के लिए काफी है कि चीन शांति में कितना ज्यादा दिलचस्पी रखता है।इसके अलावा राहुल ने चीन को लेकर ये भी कहा कि वहां पर सरकार एक कॉरपोरेशन की तरह काम करती है। उस वजह से हर जानकारी पर सरकार की पूरी पकड़ रहती है। उनके मुताबिक इस समय भारत और अमरीका में ऐसी स्थिति नहीं है। राहुल ये भी मानते हैं कि इसी वजह से चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में इतना आगे बढ़ गया है। राहुल ने अपने संबोधन के दौरान पुलवामा हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को तथाकथित हिंसक जगह बता दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि कश्मीर इंसर्जेंसी प्रोन स्टेट है और तथाकथित हिंसक जगह। मैं उस जगह भी गया था जहां हमारे 40 जवानों को मार दिया गया था।

अंसारी के बेटों के घर पर चला योगी का बुलडोजर

मऊ/जीएनएस। मऊ जनपद के थाना दक्षिण टोला क्षेत्र के जहांगीराबाद में दो मंजिला मकान पुलिस-प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है। यह घर मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी और छोटे बेटे उमर अंसारी के नाम पर बना था। बताया जा रहा है कि इस घर का नक्शा भी पास नहीं था और इसे अवैध जमीन पर बनाया गया था। सिटी मजिस्ट्रेट ने नक्शा पास नहीं होने के कारण इसे गिराने का आदेश जारी किया था। इसके बाद पुलिस-प्रशासन बुलडोजर से इस घर को गिराने के लिए शुक्रवार को पहुंच गया और इस घर को जमींदोज कर दिया गया।

भारतीय चेतना का मूल स्वर रही है धर्म-धम्म की अवधारणा-राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु

मानवता के कल्याण के लिए शांति, प्रेम और एक-दूसरे के प्रति विश्वास आवश्यक - राज्यपाल पटेल »»»युद्ध नहीं शांति, घृणा नहीं प्रेम, संघर्ष नहीं समन्वय, शत्रुता नहीं मित्रता जीवन में आवश्यक -मुख्यमंत्री चौहान »»»विश्व के लिए उपयोगी सिद्ध होगा धर्म-धम्म सम्मेलन»»»राष्ट्रीय श्रीमती मुर्मु ने किया 7वें अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का उद्घाटन

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने कहा है कि मानवता के दुख के कारण का बोध कराना और उस दुख को दूर करने का मार्ग दिखाना, पूर्व के मानववाद की विशेषता है, जो आज के युग में और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। धर्म-धम्म की अवधारणा भारतीय चेतना का मूल स्वर रही है। हमारी परंपरा में कहा गया है कि जो सबको धारण करता है, वह धर्म है। धर्म की आधार-शिला पर ही पूरी मानवता टिकी हुई है। राग और द्वेष से मुक्त होकर मैत्री, करूणा और अहिंसा की भावना से व्यक्ति और समाज का विकास करना, पूर्व के मानववाद का प्रमुख संदेश रहा है। नैतिकता पर आधारित व्यक्तिगत आचरण और समाज व्यवस्था पूर्व के मानववाद का ही व्यावहारिक रूप है। नैतिकता पर आधारित इस व्यवस्था को बचाए रखना और मजबूत करना हर व्यक्ति का कर्तव्य माना गया है। धर्म-धम्म की हमारी परंपरा में 'सर्वे भवंतु सुखिन' की प्रार्थना हमारे जीवन का हिस्सा रही है। यही पूर्व के मानववाद का सार-तत्व है और आज के युग की सबसे बड़ी जरूरत भी है। यह सम्मेलन मानवता की एक बड़ी जरूरत को पूरा करने की दिशा में सार्थक प्रयास है। यही कामना है कि समस्त विश्व समुदाय पूर्व के मानववाद से लाभान्वित हो। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु कुशाभाऊ ठाकरे हाल भोपाल में 7वें अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के उद्घाटन कर रही थी।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने किया श्रद्धेय कुशाभऊ ठाकरे जी का स्मरण

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने धर्म-धम्म सम्मेलन के लिए राज्य सरकार, साँची विश्वविद्यालय और इंडिया फाउंडेशन की सराहना की। राष्ट्रपति ने श्रद्धेय श्री कुशाभऊ ठाकरे का स्मरण करते हुए कहा कि इस सभागार को कुशाभाऊ ठाकरे का नाम दिया गया है। जन-सेवा के कार्य में धर्म-धम्म के आदर्शों के अनुरूप निःस्वार्थ और संपूर्ण समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत करने वाले ठाकरे जी का स्मरण सभी को नैतिकता, धर्म और सेवाभाव से जोड़ता है।

धर्म-धम्म के भाव को स्पष्टत- प्रदर्शित करते हैं हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि हमारे देश की परंपरा में समाज व्यवस्था और राजनैतिक कार्य-कलापों में प्राचीन काल से ही धर्म को केन्द्रीय स्थान प्राप्त है। स्वाधीनता के बाद हमने जो लोकतांत्रिक व्यवस्था अपनाई उस पर धर्म-धम्म का गहरा प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों से यह स्पष्टतः प्रदर्शित होता है। अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जो धर्म-धम्म के विचार की वैश्विक अपील का प्रतीक है।

धर्म-धम्म चिंतन से सद्भाव को बढ़ावा मिलेगा

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि हमारे भारतीय दर्शन की मान्यता इस विश्वास में निहित है कि विश्व सबके लिए है। युद्ध की कोई आवश्यकता ही नहीं है। मानवता के कल्याण के लिए शांति, प्रेम और एक-दूसरे के प्रति विश्वास आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि हमारे देश की सदियों पुरानी परंपरा विश्व शांति और मानव जाति के कल्याण में विश्वास रखती है और उसे बढ़ावा देती है। नैतिक और व्यवहारिक क्षेत्र में बौद्ध दृष्टिकोण भी मानव जाति की भलाई के लिए महत्वपूर्ण है। समृद्ध समाज, राष्ट्र एवं विश्व निर्माण के लिए भारतीय सांस्कृतिक और सभ्यतागत अंतर्संबंधों की सदियों से चली आ रही चिंतन परम्परा पर बदलते समय और परिप्रेक्ष्य में नई दृष्टि से विचार समय की ज़रूरत है। वैश्विक परिदृश्य में अतिवाद, विस्तारवाद, जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मानवता को बचाने के मार्ग भारतीय ज्ञान एवं ऋषियों के चिन्तन में ही मिलेंगे। उन्होंने कहा कि धर्म-धम्म चिंतन से प्राचीन सभ्यताओं के बीच विचारों के परस्पर विनिमय से सद्भाव को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हिंसा और युद्ध से कराहते विश्व के लिए बुद्ध एक समाधान हैं।

नेपाली सरकार ने रुपए पर लगाई , फिर बढ़ी भारत की टेंशन, भारतीय करंसी से नहीं मिल रहा सामान

काठमांडू/जीएनएस। नेपाल ने भारत को एक बार फिर से टेंशन दी है। नेपाल में भारतीय करंसी से सामान खरीदना मुश्किल हो गया है। नेपाल की सरकार ने 100 से ऊपर की करंसी पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे नेपाल में खरीददारी को जा रहे भारतीय लोग बैरंग वापस लौट रहे हैं। नेपाल के बदले व्यवहार से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिला के सीमांत क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है। लोगों ने कहा है कि नेपाल में सालों से भारतीय करंसी से खरीददारी होती रही है, अब नेपाल के कारोबारियों के व्यवहार में आए बदलाव से वे हैरान हैं। पड़ोसी देश नेपाल के बाजार में व्यापारी इन दिनों भारतीय रुपए नहीं ले रहे हैं। दरअसल, नेपाल में भारत की 100 से ऊपर की करंसी प्रतिबंधित है। वर्ष 2020-21 में इस संबंध में आदेश पारित किया गया था। इस विधेयक को इन दिनों सख्ती से लागू किया जा रहा है। इसी के चलते नेपाली व्यापारी भारतीय करंसी लेने से मना कर रहे हैं। इसके पीछे राजनीतिक कारण भी अहम माना जा रहा है। नेपाल में मौजूदा सरकार नेपाली करंसी

रूपैयां को ही बाजार में बढ़ावा देनी चाहती है। इसे देखते हुए नेपाल सरकार ने बाजार में बड़े नोटों पर रोक लगा दी है।

करंसी एक्सचेंज करने को देनी पड़ रही कमीशन

कुछ लोग करंसी एक्सचेंज करवा रहे हैं तो इसके लिए कमीशन तक देना पड़ रहा है। पहले नेपाली करंसी को भारतीय करंसी में बदलने के लिए कमीशन देना पड़ता था, लेकिन अब ये उल्टा हो गया है। इस समस्या से भारतीय पर्यटक ही नहीं, बल्कि सीमा पर कारोबार से जुड़े व्यापारी और भारत में रोजगार के लिए पहुंचने वाले लाखों नेपाली नागरिक भी परेशान हैं।

मार्च में 42 डिग्री तक पहुंचेगा पारा; मौसम विभाग ने जारी की एडवाइजरी, भीषण हीटवेव का भी अलर्ट

नई दिल्ली/जीएनएस। देश के अधिकतर हिस्सों में गर्मी परेशान करने लगी है। फरवरी के महीने में ही गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फरवरी महीने में दिन में औसत तापमान 29.54 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 122 वर्षों में सबसे ज्यादा है और इस वर्ष देश के कई हिस्सों में फरवरी महीना सामान्य से अधिक गर्म रहा। गर्मी की शुरुआत के बीच मौसम विभाग ने बताया है कि आने वाले महीनों में गर्मी के और भी रिकॉर्ड टूट सकते हैं। मार्च महीने में उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में औसत तापमान 40 से 42 डिग्री तक पहुंच सकता है, वहीं, मार्च के महीने में भयंकर हीटवेव या लू लोगों को परेशान कर सकती है। सामान्य तौर पर उत्तर भारत में हीटवेव का असर मई-जून के महीने में देखा जाता है, लेकिन इस बार मई-जून वाली स्थिति फरवरी-मार्च में ही बन रही है। अब ऐसे में सवाल उठता है कि मौसम में ये बदलाव क्यों हो रहा है और आखिर इस साल फरवरी में ही इतनी गर्मी क्यों पड़ी? मौसम विभाग ने इसकी दो वजह बताई हैं। इनमें पहली वजह ये है कि इस बार फरवरी महीने में कम बारिश हुई है।

मौसम विभाग के मुताबिक इस साल जनवरी और फरवरी महीने में देश के 264 जिलों में बारिश नहीं हुई और केवल 54 जिलों में ही सामान्य बारिश हुई। बारिश होने से तापमान घटता है, लेकिन फरवरी महीने में पिछले वर्षों की तुलना में कम बारिश हुई, इसलिए तापमान बढ़ गया। वहीं, दूसरी वजह है आसमान का साफ होना, जब आसमान में बादल नहीं होते यानी आसमान साफ होता है, तब सूर्य की किरणें बिना किसी रुकावट के सीधे जमीन पर पड़ती हैं, जिससे गर्मी बढ़ती है और फरवरी महीने में बादल कम बने, बारिश कम हुई और आसमान साफ रहा, इसलिए गर्मी और बढ़ी।

भूख से छटपटा रहे पाक को मिला पुतिन का सहारा, 50 हजार मीट्रिक टन गेहूं से लदा जहाज ग्वादर पोर्ट पहुंचा

इस्लामाबाद/जीएनएस। पाकिस्तान की आर्थिक हालात काफी खराब हो गई है। आईएमएफ कर्ज देने में तमाम तरह की आनाकानी कर रहा है। पाकिस्तानी जनता के बुरे हालात को देखते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मदद को सामने आए हैं। रूस ने पाकिस्तान को 50 हजार मीट्रिक टन रूसी गेहूं भेजा है। दूसरे देशों के सामने लगातार हाथ फैलाने की वजह से पाकिस्तानी पीएम शहबाज पर सवाल उठ रहे हैं कि वह ऐसा कब तक करते रहेंगे? वहीं, पाकिस्तान की वास्तविक स्थिति देखते हुए ज्यादातर देशों ने मदद करनी भी बंद कर दी है। रूस से पाकिस्तान के लिए 50,000 मीट्रिक टन गेहूं लेकर पहला जहाज ग्वादर बंदरगाह पहुंचा।

भाजपा विधायक मदल वीरुपक्षप्पा का बेटा 40 लाख घूस लेता गिरफ्तार, मिला नोटों का अंबार

बंगलूर/जीएनएस। कर्नाटक में लोकायुक्त ने भाजपा विधायक मदल वीरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत कुमार को 40 लाख रुपए घूस लेते गिरफ्तार किया है। प्रशांत की गिरफ्तारी पिता के बंगलूर स्थित कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड (केएसडीएल) के दफ्तर से हुई। लोकायुक्त ने जब दफ्तर और प्रशांत के घर पर छापा मारा, तो वहां नोटों के अंबार मिले। गिनने पर यह राशि करीब आठ करोड़ रुपए निकली। इसके बाद प्रशांत को 14 दिनों की हिरासत में भेज दिया गया है। साथ ही भाजपा विधायक को कर्नाटक साबुन और डिटर्जेंट लिमिटेड (केएसडीएल) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा है। अब पुलिस विधायक से पूछताछ की तैयारी में जुटी है। उनके खिलाफ नोटिस

जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि जिस टेंडर के मामले में बेटे ने घूस ली, उसमें मैं शामिल नहीं हूं। वीरुपक्षप्पा के इस्तीफे से पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा था कि लोकायुक्त को दोबारा शुरू करने का मकसद राज्य में भ्रष्टाचार को खत्म करना था।

दोषियों पर सख्त कार्रवाईकी जाएगी। लोकायुक्त अधिकारियों के मुताबिक, प्रशांत कर्नाटक एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस के 2008 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने साबुन और अन्य डिटर्जेंट बनाने के लिए कच्चे माल को खरीदने की डील के लिए एक ठेकेदार से 80 लाख रुपए की डिमांड की थी, जिसके बाद ठेकेदार ने इसकी शिकायत लोकायुक्त से की थी। शिकायत पर लोकायुक्त ने प्रशांत को रंगे हाथ पकडने़ के लिए योजना बनाई। अधिकारी ने बताया कि केएसडीएल के चेयरमैन और भाजपा विधायक मदल वीरुपक्षप्पा ओर से यह रकम ली गई है। ऐसे में रिश्वत लेने के इस मामले में पिता और पुत्र दोनों आरोपी हैं। उधर, प्रशांत के पिता वीरुपक्षप्पा कर्नाटक के दावणगेरे जिला के चन्नागिरी से विधायक हैं। उन्होंने कहा कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसकी जानकारी मुझे मीडिया के जरिए मिली। इस बारे में मैंने अपने बेटे से बात नहीं की है, क्योंकि वह अब लोकायुक्त की कस्टडी में है। मैं किसी टेंडर में शामिल नहीं हूं।

शहीद चंद्रशेखर आजाद, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में 02 मार्च 2023 को विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत भौतिकशास्त्र विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया

झाबुआ /माणक लाल जैन /दैनिक मालवा हेराल्ड। शहीद चंद्रशेखर आजाद, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में 02 मार्च 2023 को विश्व बैंक परियोजना (मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना) के अंतर्गत भौतिकशास्त्र विभाग द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर से भौतिकशास्त्र विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रदीपकुमार शर्मा मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों द्वारा मां शारदे की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना सोलंकी एवं महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रविंद्र सिंह द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को संबोधित किया। तत्पश्चात डॉ. श्रेया सिन्हा विभागाध्यक्ष भौतिक शास्त्र द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया गया। विश्व बैंक प्रभारी डॉ. वी.एस. मेड़ा एवं इंदौर से विज्ञान भारती मालवा प्रांत के प्रांतीय संयोजक घनश्याम परमार भी उपस्थित हुए।

मुख्य वक्ता डॉ. प्रदीप शर्मा द्वारा भौतिक शास्त्र के रोजमर्रा के जीवन में उपयोग, विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के मंत्र और मोटिवेशनल स्पीच के माध्यम से अपना प्रभावी व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर आजाद हॉल में विद्यार्थियों के साथ-साथ महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकगण डॉ. संजू गांधी, डॉ. आर.एस. अजनार, प्रो. जे.एस. भूरिया, प्रो किरण सिंघल, प्रो अंतिम कलवार, प्रो अजय कुमार, डॉ बी.एस. डामोर, डॉ. रीना गणावा, डॉ. मनीषा बघेल, डॉ. बी.डी.शर्मा, प्रो बी.एस. सिंगाड़, डॉ. मुकेश अजनार, प्रो. रामगोपाल सिंह एवं तकनीकी टीम में प्रो सुधीर बघेल, प्रो शुभम गुण्डिया, प्रयोगशाला परिचारक मनीष अहेरिया उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ रोहित सिंह द्वारा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रितेश तंवर द्वारा किया गया।

समत्व से लाडली बहना योजना के संबंध में वीडियों काफ्रेंसिंग

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 02 मार्च, 2023 को सायं 06.45 बजे मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से लाडली बहना योजना के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में समस्त कमिश्नर्स/कलेक्टर्स/मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत/ आयुक्त नगर पालिक निगम एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित थे।

जिले से वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत अमन वैष्णव, एडीएम एसएस मुजाल्दा एवं संबधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के एजेंण्डा जिसमें योजना का प्रचार- प्रसार, जिन महिला आवेदकों का स्वयं के बैंक खाता नहीं है अथवा आधार लिंक डीबीटी इनेबल्ड नहीं है, उनका विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही पूर्ण करना, कैम्प की सूक्ष्म कार्ययोजना का निर्माण, जिलों के मास्टर ट्रेनर एवं कैम्प प्रभारियों आदि का प्रशिषण, आवेदन ऑनलाइन प्रविष्टी किये जाने हेतु कैम्प आयोजन की तैयारियां, कैम्प स्थल पर ऑनलाइन प्रविष्टी हेतु बायोमेट्रिक डिवाइस/वेब कैमरा/कम्पयूटर की उपल्बधता, कैम्प में हितग्राहियों की सुविधा हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं, आपत्ति निराकरण, जॉच एवं अनंतिम-अतिंम सूचियों का समयसीमा में जारी किया जाना। राशि का यथा समय भुगतान सुनिश्चित हो इसकी नियमित समीक्षा के संबंध में चर्चा की गई।

1500 सकोरे एवं 20 चाटिए का वितरण होगा

लगातार 11वर्ष से संस्था कर रही वितरण

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड/ सामाजिक सेवा संस्था ज्ञानदीप मंडल बदनावर की बैठक में विशेष रूप से ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए निर्णय लिया गया की प्रति वर्षानुसार, इस बार 11 वें वर्ष में पशु- पक्षियों के लिए जल पात्र का वितरण किया जावेगा।भीषण गर्मी में पक्षी पानी और दाने के अभाव में दम न तोड़े, इस जीव दया को दृष्टिगत रखते हुए ज्ञानदीप मंडल द्वारा लगभग 1500 जलपात्र (सकोरे) वितरण एवं 20 चाटिए नगर। में रखे जावेगे, जिससे गाय और अन्य पशुओं के लिए पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। इस वर्ष सकोरे और चाटिए वितरण कार्य हेतु। संयोजक प्रवीण विनाक्या एवं विक्रम सिंह चौहान को नियुक्त किया गया है। होली पश्चात सकोरे और चाटिए का वितरण होगा । साथ ही आम नागरिकों से ज्ञानदीप मंडल निवेदन करता है कि गत वर्ष के वितरित सकोरे जिनके पास हैं वह जल भरकर अपने घर की छत पर बरामदे में आंगन मे रखे और दाना रखना डालना शुरू कर देंवे।

खाद्य सुरक्षा एवम नापतौल विभाग के संयुक्त दल द्वारा मेघनगर के मिल्क चिलिंग प्लांट पर कार्यवाही

झाबुआ /माणक लाल जैन /दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवम नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जारी आदेश में जिले में दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थो का निर्माण, विक्रय एवं संग्रहण करने वाले कारोबारियों के निरंतर निरीक्षण एवं मिलावटीध्नकली दूध एवं दूध उत्पादों के पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही कर मिलावट से मुक्ति अभियान जारी रखने के निर्देश दिये गए है। जिसके पालन में आज खाद्य सुरक्षा विभाग एवं नापतौल विभाग द्वारा संयुक्त दल बनाकर मेघनगर के मिल्क चिलिंग सेंटर पर कार्यवाही की गई है। जहाँ पर ग्रामीण क्षेत्रों से दूध एकत्र कर अमूल को भेजा जाना बताया गया है। नापतौल निरीक्षक द्वारा प्लांट में तौल काँटा सत्यापन जाँच किया गया जो कि सही होना पाया गया है साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा मौके पर स्टोरेज टैंक में उपलब्ध कुल 10,000 लिटर दूध के तापमान व मैजिक बॉक्स की सहायता से दूध में नमक, शक्कर एवं यूरिया की जाँच की गई है। जो कि मानक स्तर का होना पाया गया है किंतु फैट एवं एस एन एफ जाँच हेतु नमुना लिया जाकर खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को भेजा है।

जाँच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह अलावा, नापतौल निरीक्षक कपिल कदम एवं श्रम सहायक संजय पांचाल उपस्थित रहे।

मिलावट से मुक्ति अभियान जिले में लगातार जारी है जिसके अंतर्गत झाबुआ जिले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा 1 वर्ष में कुल 71 नमूने जाँच के लिए लिए गए है, जिनमें से 23 नमूने विभिन्न श्रेणियों में फेल पाए गए है।

झाबुआ 3 मार्च, 2023। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवम नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जारी आदेश में जिले में दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थो का निर्माण, विक्रय एवं संग्रहण करने वाले कारोबारियों के निरंतर निरीक्षण एवं मिलावटीध्नकली दूध एवं दूध उत्पादों के पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही कर मिलावट से मुक्ति अभियान जारी रखने के निर्देश दिये गए है। जिसके पालन में आज खाद्य सुरक्षा विभाग एवं नापतौल विभाग द्वारा संयुक्त दल बनाकर मेघनगर के मिल्क चिलिंग सेंटर पर कार्यवाही की गई है। जहाँ पर ग्रामीण क्षेत्रों से दूध एकत्र कर अमूल को भेजा जाना बताया गया है। नापतौल निरीक्षक द्वारा प्लांट में तौल काँटा सत्यापन जाँच किया गया जो कि सही होना पाया गया है साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा मौके पर स्टोरेज टैंक में उपलब्ध कुल 10,000 लिटर दूध के तापमान व मैजिक बॉक्स की सहायता से दूध में नमक, शक्कर एवं यूरिया की जाँच की गई है। जो कि मानक स्तर का होना पाया गया है किंतु फैट एवं एस एन एफ जाँच हेतु नमुना लिया जाकर खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को भेजा है।

जाँच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह अलावा, नापतौल निरीक्षक कपिल कदम एवं श्रम सहायक संजय पांचाल उपस्थित रहे।

मिलावट से मुक्ति अभियान जिले में लगातार जारी है जिसके अंतर्गत झाबुआ जिले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा 1 वर्ष में कुल 71 नमूने जाँच के लिए लिए गए है, जिनमें से 23 नमूने विभिन्न श्रेणियों में फेल पाए गए है।

बामनो का खेड़ा खेत के पास पाइप के ऊपर से मोटरसाइकिल निकालने से मना करने पर दो भाइयों द्वारा युवक को जान से मारने की धमकी

आलोट/ राकेश चोहान/दैनिक मालवा हेराल्ड। बामनो का खेड़ा खेत के पास बामनो का खेड़ा निवासी दो भाइयों द्वारा पाइप के ऊपर से मोटरसाइकिल निकालने से मना करने की बात से नाराज होकर दोनों ने युवक को गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी बानो का खेड़ा निवासी अमर सिंह पिता बजे सिंह द्वारा उसके खेत के पास दोनों भाइयों द्वारा पाइप के ऊपर से मोटरसाइकिल निकालने से मना किया तो दोनों ने आक्रोशित होते हुए गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी किस पर अमर सिंह द्वारा कुशाल सिंह पिता मनोहर सिंह तेजपाल सिंह पिता मनोहर सिंह दोनों निवासी बांधों का खेड़ा के ऊपर रिपोर्ट दर्ज करवाई है अमर्शी की रिपोर्ट पर पकड़ा पुलिस ने दोनों के ऊपर धारा 294 323 506 34 में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

खेत पर भैंस बांधने की बात को लेकर दो भाइयों में हुआ विवाद डंडे से की मारपीट

आलोट/ राकेश चोहान/दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट समीपस्थ गांव भीम मे बने सिंह के कुए पर भाई ने गाली गलौज करते हुए डंडे से की मारपीट भीम निवासी बने सिंह पिता कालू सिंह ने बताया उसके कुए पर गांव के ही पहलाद सिंह पिता कालू सिंह निवासी भीम द्वारा भैंस बांधने की बात को लेकर विवाद खड़ा कर दिया गाली गलौज करते हुए डंडे से मारपीट किए जाते जाते जान से मारने की धमकी भी दी जिस पर बने सिया आलोट थाने में प्रहलाद सिंह के खिलाफ रिपोर्ट लिखवाई बने सिंह की रिपोर्ट पर धारा 323 294 506 में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

5 मार्च को होगा 'होली के रंग किशोर दा के संग' कालिदास अकादमी में गुजेगे किशोर कुमार के गीत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 5 मार्च रविवार को ऑनेस्टी म्यूजिकल अकैडमी द्वारा 'होली के रंग किशोर दा के संग' गीत संगीत का आयोजन किया जाएगा। हरपाल सिंह चावला के अनुसार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मनीष शुक्ला ऑक्सीजन मैन, खोजेमा रंगवाला, विशाल बंबिवाल मौजूद रहेंगे।

सेना के 1 केंद्रीय बेस डाक घर के 75 वर्ष पूर्ण होने पर डाक विभाग द्वारा जारी किया गया विशेष डाक टिकट

सामान्य डाक घर से अलग होता है सेना का डाक घर, 24 घंटे 365 दिवस काम होता है, यहां

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सामान्य डाकघर से अलग होता है सेना का डाकघर। इसकी यह विशेषता होती है कि यहां पर 24 घंटे और 365 दिन काम होता है वह भी बिना रुके तभी तो दिल्ली से निकलने वाला दैनिक समाचार पत्र एक ही दिन में सेना की दूरदराज चौकियों तक पहुंच जाता है, ओर जब ही होता है जय जवान का नारा सार्थक।

सेना के इसी एक केंद्रीय बेस डाक घर की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय डाक विभाग द्वारा एक विशेष डाक टिकट जारी किया। उक्त जानकारी देते हुए डाक टिकट संग्राहक ओम पाटोदी ने बताया कि भारत में डाक घर की स्थापना 1688 में हुई थी बाद में सेना के लिए अलग डाक घर की आवश्यकता महसूस होने लगी तब 1805 में एक नागरिक पोस्टमास्टर को विशेष रूप से रक्षा बलों के उपयोग के लिए एक डाक एजेंसी चलाने का आदेश दिया गया था। इसके बाद वर्ष 1865 में फारस अभियान के दौरान, यह डाक सेवा विदेशों में भेजे गए सैनिकों की सेवा के लिए मोबाइल बन गई। इस प्रकार पहला फील्ड पोस्ट ऑफिस (एफपीओ) अस्तित्व में आया। जो सेना के लिए काम करता था।

1914-18 में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान एक एफपीओ भी स्थापित किया गया परन्तु आर्मी पोस्ट ऑफिस (एपीओ) बीस साल से भी अधिक समय बाद दूसरे विश्व युद्ध के दौरान सक्रिय अस्तित्व में आया, जब 1941 में आंध्र प्रदेश राज्य के सिकंदराबाद में 56 एफपीओ की स्थापना की गई थी, फिर आजादी के बाद यह 1 सेंट्रल बेस पोस्ट ऑफिस बन गया । यह दिल्ली में है जो देश के अधिकांश हिस्सों को कवर करने के लिए 294 एफपीओ को सेवा प्रदान करता है। वही बाद में बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम राज्यों सहित उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए कलकत्ता में एक दूसरा आधार कार्यालय स्थापित किया गया, जिसे 2 केंद्रीय आधार डाकघर या 99 एपीओ कहा जाता है। पाटोदी ने बताया कि हाल ही में जो डाक टिकट निकाला गया है यह 1 सेंट्रल बेस पोस्ट ऑफिस के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अवसर पर जारी किया गया है । यह डाक टिकट पांच रुपए मूल्य वर्ग का है।जो शीघ्र ही फिलाटेली ब्यूरो पर उपलब्ध होगा।

खाटू श्याम निशान यात्रा का इत्र वर्षा से स्वागत, निशान चढ़ाये, जयकारे लगाए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जय खाटू नरेश... जय शीश के दानी.. के जयकारे के साथ खाटू श्याम भक्तों ने गोपाल मन्दिर से खाटूधाम रामघाट तक भव्य निशान यात्रा निकाली। यात्रा में एक हजार से अधिक महिलाएं-पुरुष खाटू श्याम जी के निशान लेकर चल रहे थे। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में विदेशी भक्तों ने भी भाग लिया। श्री खाटू श्याम भक्त मण्डक की सरोज अग्रवाल ने बताया कि 3 किलोमीटर लंबे मार्ग से गुजरी भव्य शोभायात्रा का जगह-जगह इत्र वर्षा के साथ पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में शक्तिपाताचार्य श्री नारदानंद महाराज, स्वामी प्रणवानन्द, स्वामी विवेकानन्द के साथ 50 से ज्यादा विदेशी भक्त शामिल थे। खाटूश्याम निशान यात्रा में बड़ी संख्या में खाटू श्याम के भजनों पर महिलाएं और युवतियाँ झूम रही थीं। शोभायात्रा गोपाल मंदिर से प्रारम्भ होकर पटनी बाजार, बक्शी बाजार, माँ हरसिद्धि मन्दिर होते हुई पारदेश्वर महादेव मन्दिर परिसर स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पहुंची। मन्दिर में भव्य आरती, साथ खाटू श्याम स्तुती कर मनोकामनार्थ निशान चढ़ाकर खाटू श्याम दरबार में जयकारे लगाए। शोभायात्रा में रथ पर श्रीरवाटूश्याम की भव्य झांकी भी निकाली।

गुलाना तहसील मे गर्माया तहसीलदार के बनावटी हस्ताक्षर का मामला

आवेदक बता रहा हस्ताक्षर साहब के, जबकि तहसीलदार के कथन पर कलेक्टर ने कर दिए है दोषियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही के आदेश

- मामला गुलाना के भूतपूर्व सैनिक के आवासीय भूखंड़ का, जिसके आदेष पर तहसीलदार के बनावटी हस्ताक्षर होने का प्रशासन ने किया है दावा

गुलाना/दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकारी आवासीय भूखंड़ हथियाने की गुलाना में मानो होड़ सी लगी हुई। हर कोई सरकारी जमीन देख उसे हथियाने में कोई भी कसर बाकी नहीं छोड़ रहा है। फिर उस सरकारी जमीन को हड़पने में भले ही कोई भी रास्ता क्यों न अपनाना पड़ें, मंजूर है। सरकारी आवासीय भूखंड़ का एक ऐसा ही मामला इन दिनों गुलाना तहसील में खूब सूर्खियां बंटोर रहा है। यहां गुलाना के एक भूतपूर्व सैनिक के आवासीय भूखंड़ आदेश पर किए गए तहसीलदार के हस्ताक्षर को खूद तहसीलदार ने ही डूप्लीकेट बनावटी हस्ताक्षर होना ठहरा दिया है। आवेदक अभी भी यही कह रहे है कि हस्ताक्षर साहब के ही है, जबकि तहसीलदार के लिखित कथन के आधार पर कलेक्टर दिनेश जैन ने आवासीय भूखंड़ निरस्त कर दोषियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही के आदेश भी जारी कर दिए है।

संबंधित गड़बड़झाले से ओतप्रोत मामले को कुछ इस तरह से समझिएं,, गुलाना तहसील में अभिभाषक के रूप में कार्य कर रहे एड़वोकेट हरीश परमार के छोटे भाई व भूतपूर्व सैनिक सुनील परमार पिता भागीरथ परमार ने 23 मार्च 2016 को आवासीय भूखंड़ के लिए तहसील में आवेदन देकर मांग की थी। लंबे समय से भूखंड़ आवंटित न हो पाने के चलते उन्होंने दुसरी बार पूनः 1 जनवरी 2021 को फिर तहसील में आवेदन दिया। और बताया गया कि आवेदक भूतपूर्व भारतीय सैनिक है, जो सेवानिवृत्त होकर अपने गांव आ चूके है। जिनके पास अपनी कोई आवासीय भूमि व अपना खूद का मकान नहीं होना बताया था। गुलाना के भुमि सर्वे क्रमांक 1944 रकबा 0.30 आरे की भूमि को कलेक्टर के आदेशानुसार आबादी भूमि ग्राम आबादी के लिए आरक्षित की गई थी। जिसके लिए तात्कालीन पटवारी के द्वारा भी मौका मुआयना कर तहसील में रिपोर्ट प्रस्तत की गई थी।

26 फरवरी 2021 को हुआ था भूखंड़ का आदेश पारित

आवेदक भूतपूर्व सैनिक सुनील पिता भागीरथ परमार ने 1 जनवरी 2021 को दुसरी बार आवासीय भूखंड़ के लिए तहसील में आवेदन दिया था। तहसीलदार के हस्ताक्षर किए कागजों की माने तो हल्का पटवारी की रिपोर्ट एवं विज्ञप्ति प्रकाशन के दौरान किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं होना बताकर आवेदन के लगभग 56 दिन बाद 26 फरवरी 2021 को आवेदक के नाम आवासीय भूखंड़ आदेश पारित होना बताया गया है। और यह उन ही कागजों के आधार पर लिखी जा रही बात है, जिन पर तहसीलदार के हस्ताक्षर बनावटी व डूप्लीकेट होने का प्रशासन द्वारा दावा किया जा रहा है।

तहसीलदार ने एसड़ीएम को पत्र के माध्यम से बताया कि इस भूखंड़ आदेश पर हस्ताक्षर बनावटी व डूप्लीकेट है गुलाना तहसीलदार राजाराम करजरे ने बताया कि उनके द्वारा 28 सितंबर 2022 को अनुविभागिय अधिकारी शाजापुर को पत्र लिखा गया है। जिसमें प्रमूखता से उल्लेख किया गया है कि भूखंड़ आदेश पर मेरे वास्तविक हस्ताक्षर नहीं है। डूप्लीकेट व बनावटी हस्ताक्षर कर अवैधानिक लाभ प्राप्त करने की नियत से आवेदक व भूतपूर्व सैनिक सुनील एवं उसके बड़े भाई एड़वोकेट हरीश परमार ने तात्कालिन प्रवाचक रामेश्वर चोहान मृतक द्वारा प्रकरण तैयार कर संलग्न किया गया था। प्रकरण के खसरा भूअभिलेख में अमल के दौरान यह मामला सामने आया है। तहसीलदार ने अनुविभागीय अधिकारी को यह भी बताया कि कलेक्टर के आदेश क्रमांक 135 - 136 दिनांक 24 फरवरी 2021 द्वारा मुझे तहसीलदार गुलाना से तहसीलदार शाजापुर पदस्थ किया गया था। जिसके चलते 26 फरवरी 2021 को मेंने शाजापुर तहसील में उपस्थिती भी दे दी थी। और प्रकरण में संलग्न आदेश भी इसी दिनांक का लगाया गया है। पत्र के माध्यम से तहसीलदार श्री करजरे द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को बताया गया था कि उक्त आपराधिक कृत्य के चलते संबंधित लोगों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया जाना उचित होगा।

- पुननिरिक्षण के बाद कलेक्टर ने दिए दोषियों पर कार्यवाही के आदेश

बनावटी हस्ताक्षर का मामला धीरे धीरे अंदर ही अंदर आग की तरह फेलता गया। और देखते ही देखते ही कलेक्टर तक पहूंच गया। 1 जनवरी 2021 को भूखंड़ के लिए आवेदन किया गया। 26 फरवरी 2021 को आदेश पारित हो गया, या कर लिया गया। 28 सितंबर 2022 को तहसीलदार ने अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष रखा बनावटी हस्ताक्षर का मामला। 17 अक्टोबर 2022 को किया गया मामले का पुननिरिक्षण। तो वहीं 5 दिसंबर 2022 को कलेक्टर दिनेश जैन ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शाजापुर को तहसीलदार गुलाना प्रकरण क्रमांक 754/बी - 121/2020- 21 के आदेश दिनांक 26 फरवरी 2021 को निरस्त कर उक्त प्रकरण में फर्जी आदेश पारित करने वाले दोषियों के विरूद्ध नियमानुसार आपराधिक प्रकरण दर्ज कर काग्रवाही की जाएं।

- जल्द होगी कार्यवाही

गुलाना के तहसीलदार राजाराम करजरे ने बताया कि कलेक्टर महोदय का आदेश प्राप्त हो चूका है, जल्द ही दोषियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी। वहीं आवेदक भूतपूर्व सैनिक सुनील परमार से जब इस विषय में चर्चा करना चाही गई तो उन्होंने कहा कि फोन पर बात नहीं होगी आपको चर्चा करना है तो मेरे पास ही आ जाओ। वहीं उनके बड़े भाई एड़वोकेट हरीश परमार का कहना है कि आदेश करवाने में कई प्रोसेस से होकर गुजरना पड़ता है। और इतनी प्रोसेसे आवेदक स्वयं नहीं कर सकता। आदेश पर हस्ताक्षर तहसीलदार के ही है।

कृषि मंडी में बाद में आने वाले को सांठगांठ से दे देते हैं टोकन, वे घुस जाते हैं पहले

कलेक्टर ने किया कृषि मंडी का औचक निरीक्षण, समस्याएं देखीं, अधिकारियों को किया निर्देशित

मंदसौर/पिपलियामंडी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने शुक्रवार को पिपलिया कृषि मंडी का औचक निरीक्षण किया। वे करीब आधे घंटे तक कृषि मंडी में रुके, इस दौरान उन्होंने मंडी व्यापारियों, किसानों, मजदूरों से समस्याएं सुनी व निराकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने किसानों से भी चर्चा की, किसानों का कहना था कि मंडी के भीतर जगह नही होने पर वाहनों को बाहर खड़ा कर दिया जाता है, लेकिन टोकन शाम तक दिए जाते है, एसे में बाद में आए किसानों को पहले टोकन मिल जाते है, इस व्यवस्था में बदलाव किया जाए व लहसुन लेकर आए वाहन चालक (किसान) को उसी समय टोकन देने की व्यवस्था की जाए, ताकि विवाद की स्थिति निर्मित न हो। वहीं मजदूरों ने कलेक्टर को बताया कि मंडी में किसान अव्यस्थित तरीके से लहसुन के ढ़ेर लगा देते है, इस कारण उपज तौलने व गोदाम तक ले जाने में परेशानी होती है, ढ़ेर खाली करने के लिए स्थान नियत किया जाए। कलेक्टर ने दोनों समसयाओं को लेकर मंडी सचिव भारतसिंह बोराना को हल करने के लिए निर्देशित किया।

उधर, व्यापारियों का कहना था कि जर्जर अवस्था में मंडी शेड को तोड़कर एक रास्ता पीछे से चालू किया जाए, ताकि मंडी गेट के बाहर लग रही वाहनों की कतार व जाम की स्थिति से निजात मिल सके, पीछे के गेट से वाहनों का प्रवेश कर चालू कर दिया जाए, पीछे वाहनों के खड़ा रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। मौके पर मौजूद मंडी सचिव भारतसिंह बोराना ने बताया शेड को तुड़वाने के लिए अनुमति के लिए फाइल भोपाल भेज रखी है। इसके अलावा व्यापारियों का कहना था कि महिला मजदूर मंडी प्रांगण में ही किसानों की लहसुन का साफ करती है, इस कारण लहसुन का कचरा उड़कर दूसरे किसान के ढ़ेर में मिल जाता है, वहीं महिला मजदूर उपर से लहसुन की सफाई कर देती है, ढ़ेर में नीचे लहसुन कचरा मिली हुई ही होती है, इस कारण भाव को लेकर व्यापारियों व किसानों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित होती है, व्यापारियों का कहना था हम गोदाम पर महिलाओं मजदूरों को मजदूरी पर रखने के लिए तैयार है।

महंगाई के खिलाफनगर कांग्रेस का हल्लाबोल
महंगाई का पुतला जलाकर किया विरोध

मंदसौर/नारायणगढ़/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर कांग्रेस कमेटी ने बढ़ती हुई मंहगाई के विरोध में शुक्रवार को नगर में प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। बाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने राज्यपाल के नाम का ज्ञापन तहसीलदार संजय मालवीय को सौपा।

इस मौके पर कांग्रेस नेता परशुराम सिसौदिया ने कहा कि भाजपा है तो महंगाई है,केंद्र की मोदी सरकार व प्रदेश की शिवराज सरकार गरीबो के जेबो पर डाका डाल रही है।आमजन अब कांग्रेस की कमलनाथ जी की सरकार बनाने का मानस बना चुकी है। क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के वित्तमंत्री ने क्षेत्र में कोई विकास नही करवाये विकास इनका हुवा है जो मंत्रीजी के इर्द गिर्द रहते है।

गेस सिलेंडर पर मला चढ़ाकर दी श्रद्धांजलि

गेस सिलेंडर पर लगातार होरही मूल्य वृद्धि के विरोध में कांग्रसजनो ने गैस सिलेंडर पर माला चढ़ाकर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञापन का वाचन नगर कांग्रेस अध्यक्ष दिलीप यादव ने किया। कार्यक्रम को अनिल शर्मा, विजेश मालेचा, अजित कुमठ, बलवंत पाटीदार ने भी संबोधित किया। संचालन ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष बाबुखा मेवाती ने किया।

मुखबीर सूचना पर एक किलो 85 ग्राम अफीम के साथ युवक पकड़ाया

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ थाना निरीक्षक राजेन्द पवार व उनकी टीम ने बाइक से अफीम तस्करी करते युवक को पकड़ा है। मुखबिर की सूचना पर मल्हारगढ़ पुलिस ने शुक्रवार सुबह 6 बजे करीब हाईवे स्थित मोल्याखेड़ी फ्टे पर नाकाबंदी की। यहां नीमच की ओर से आ रही बाइक (एमपी 44 एमवी 1808) को रोका। तलाशी के दौरान बाइक सवार के टीशर्ट में पेट पर सटी थेली मिली, जिसकी तलाशी तो थैली से 1 किलो 85 ग्राम अफीम बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान जीरन निवासी दीपेशकुमार (23) पिता मुकेशकुमार पाटीदार होना बताई। पुलिस ने बाइक व अफीम जब्त कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी अफीम कहां से लाया तथा कहां देने जा रहा था, इस संबंध में पूछताछ जारी है।

बोतलगंज में कई दुकानों ने सेंधमारी, नकदी चोरी कर गए बदमाश

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया मंडी थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की वारदात नहीं थम रही है। बीती रात फोरलेन हाईवे से लगे बोतल गंज में एक साथ कई दुकानों को बदमाशों ने निशाना बनाया है। सुबह जब व्यापारी दुकान खोलने पहुंचे तब उन्हें चोरी का पता चला। हाईवे पर बनी करीब 4 से अधिक दुकानों में एक साथ बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। पिपलियामंडी थाना प्रभारी नरेंद्र यादव ने बताया कि थाना क्षेत्र के बोतलगंज गांव में हाईवे से लगी करीब 4 दुकानों में बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है, इनकी शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार बदमाशों ने दुकानों में रखी रेजगारी चिल्लर और कीपैड मोबाइल चुराए हैं। वारदात वाली जगह पर लगे सीसीटीवी कैमरे में करीब बदमाश नजर आ रहे हैं। मामले में पुलिस ने चोरी का दर्ज किया है वहीं आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द आरोपी उनकी गिरफ्त में होंगे।

ग्राम चंगेरी में नहर की समस्या के लिए जांच दल जांच करेगा- कलेक्टर

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम चंगेरी में शुक्रवार को ग्राम चौपाल आयोजित की गई। इसमें अनेक लोगों की मौके पर समस्याएं सुनी तथा मौके पर ही निराकरण किया। इस दौरान गांव वालों के द्वारा नहर के संबंध में शिकायत की गई। जिस पर कलेक्टर ने कहा कि नहर से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए दल बनाया जाएगा। उसके बाद जांच की जाएगी। स्वामित्व योजना के संबंध में बताया गया कि इस योजना के माध्यम से सभी पात्र लोगों को अधिकार प्राप्त होगा। जनपद सीईओ को निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे लोग जो आवास प्लस में छूटे हुए हैं। उनके तुरंत नाम जोड़े। राशन के संबंध में लोगों के द्वारा बताया गया कि समय पर राशन मिलता है।

राष्ट्रीय एकता नाहर सैय्यद मेला के कार्यक्रम तय, 5 से 7 मार्च तक होंगे कार्यक्रम

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 46 वां राष्ट्रीय एकता हजरत नाहर सैय्यद मेला 5 से 7 मार्च तक हिन्दू मुस्लिम कौमी एकता की मिसाल नाहर सैय्यद दरगाह परिसर में आयोजित होने जा रहा है। इस राष्ट्रीय एकता नाहर सैय्यद मेला में तीन दिवस तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने बताया कि 5 मार्च को नाहर सैय्यद मेला में रात्रि 8.30 बजे सूफ्याना कव्वाली का आयोजन होगा। जिसमें नदीम वारसी कव्वाल एण्ड पार्टी (जयपुर) व वफा फारूख हाशमी कव्वाल एंड पार्टी मंदसौर अपनी सुफ्याना कव्वाली की प्रस्तुति देंगे। 6 मार्च को रात्रि 8.30 बजे मुशायरा व कवि सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। जिसमें कुंवर जावेद (कोटा), अजीम शाकिरी (एटा उ.प्र.), वसीम राजपुरी (राजपुर), शाहिस्ता सना (कानपुर), नरेन्द्र नख्तरी (उज्जैन), इस्माइल नजर (देवास), हातिम फिरोजाबादी (फिरोजाबाद), राणा तबस्सुम (मुम्बई), आदिल रशीद (दिल्ली) अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगे। 7 मार्च को रात्रि 8.30 बजे महफिले कव्वाली का कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में बैंगलोर के मुराद आतिश एवं उनकी कव्वाल एण्ड पार्टी के साथ ही हजारी बाग झारखण्ड की कव्वाला शाईन भारती अपनी कव्वाली की प्रस्तुति देंगे।

महाराणा प्रताप पब्लिक हाई स्कूल के छात्र छात्राओं का दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन हाटकेश्वर धाम सेमली में

सलसलाई/दैनिक मालवा हेराल्ड। आप सभी अपने आने वाले उज्जवल भविष्य की मेहनत करके उसे पूरा करें यही उक्त दीक्षांत समारोह मैं आप सभी को बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेकर यही शुभकामना देता हूं उक्त बातें महाराणा प्रताप युवा संगठन जिलाध्यक्ष स्कूल के प्रिंसिपल प्रकाश मेवाड़ा ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कही जहां इस दौरान कक्षा दसवीं के छात्र छात्राओं को महाराणा प्रताप जड़ित शिल्ड देकर सम्मानित किया गया जहां इस दौरान नवी कक्षा के दसवीं आने की शुभकामना के साथ स्वागत भी किया गया जहां इस दौरान शिक्षक गोविंद मेवाडा राजेंद्र विश्वकर्मा युवराज सिंह धर्मेंद्र शर्मा रजनी शर्मा भावना मेवाड़ा सहित स्कूल के स्टाफ मौजूद थे जहां कार्यक्रम के पश्चात स्नेहा भोज का भी आयोजन किया गया।

शाह निवास पहुंचे पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाडा

अकोदिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर अकोदिया के युवा चर्चित चेहरा भावेश शाह का पिछले दिनों सड़क दुर्घटना के चलते उनका निधन हो गया था जैसे ही है जानकारी लगी तो पूरे नगर अकोदिया सहित क्षेत्र में शोक की लहर छा गई थी नगर वासियों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी थी जिसके बाद आज पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाडा भी डांगा जी के हॉस्पिटल के सामने स्वर्गीय भावेश शाह के निवास पर पहुंचे और छायाचित्र में विराजमान भावेश शाह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए ईश्वर से कामना की कि अपने श्री चरणों में भावेश साह को स्थान प्राप्त हो की कामना की साथ ही परिवार जनों से मुलाकात की परिवार जनों को ढांढस बंधाया इस मौके पर पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाडा पत्रकार अमर सिंह आदि मौजूद थे।

पशुपतिनाथजी मंदिर में कुल निकली 27 लाख से अधिक की दानराशि

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में रखें दान पात्रों से मिली दान राशि की गणना आज दूसरे दिन भी जारी रही। मंदिर परिसर में रखे कुल 9 दान पात्रों से मिली दान राशि की गणना की गई। 2 दिन चली गणना में 27 लाख 75 हजार 595 रुपए की धनराशि प्राप्त हुई है। इसके साथ ही चांदी के आइटम और विदेशी मुद्राएं भी दान पात्रों से प्राप्त हुई है।

भगवान पशुपतिनाथ मंदिर समिति प्रबंधक राहुल रुनवाल ने बताया कि करीब सवा महीने में भगवान पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में रखे दान पात्रों की राशि की गणना की जाती है। गुरुवार को दान राशि की गणना शुरू की गई थीं। पहले दिन हुई गणना में 17 लाख 32 हजार 500 रुपए प्राप्त हुए थे। आज दूसरे दिन की गणना भी सुबह शुरू हुई जो देर शाम तक चली। दूसरे दिन की दानपत्रों से मिली दानराशि में 10 लाख 43 हजार 95 रुपए प्राप्त हुए। 2 दिन की चली गणना में 27 लाख 75 हजार 596 रुपए प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही करीब 130 ग्राम चांदी के आइटम और विदेशी मुद्राए मिली है।

गाय विश्व की माता है उसका सरंक्षण करना हमारे मानव जीवन का प्रथम दायित्व है- स्वामी कृष्णानंद जी महाराज

मां बगलामुखी चोकी आश्रम खाचरोद पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया गो माता के सम्मान में प्रेस वार्ता में परम पूज्य स्वामीजी श्री श्री कृष्णानंद जी महाराज ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए

खाचरोद/दैनिक मालवा हैराल्ड/मुरलीदास बैरागी। उज्जैन के खाचरोद क्षेत्र के मां बगलामुखी आश्रम पर गौ माता के उत्थान और सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए राष्ट्रीय गौ सेवा उत्थान समिति द्वारा आज 3 मार्च को प्रातः 10:30 बजे मां बगलामुखी चोकी आश्रम खाचरोद पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया गो माता के सम्मान में प्रेस वार्ता में परम पूज्य स्वामीजी श्री श्री कृष्णानंद जी महाराज ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक देश की गो शाला में गो माता का सम्मान,रक्षा, उनके भरण पोषण की उचित व्यवस्था सरकार द्वारा नही की जाती तब तक एक सुशासन की कल्पना करना बेमानी होगी क्योकि पिछले कई महीनों से गो शाला के प्रति सरकार की उदासीन कार्य प्रणाली को देखा जा रहा जिसमे कई महीनों की सहायता राशि अभी तक गो शालाओं को प्राप्त नही हुई है जिससे गोशाला का संचालन करने में संस्थाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है आपने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि गो माता हमारी संस्कृति और संस्कार की जननी है संस्कृति और संस्कार हमारे समाज मे सदा बने रहे इस हेतु हम सभी संत गण गो सेवा के कार्य को संचालन करने वाली गो शालाओं को उचित न्याय दिलाने हेतु जुटे हुए है आने वाली 21 मार्च को राधा रानी गो शाला समिति ग्राम-रुनखेड़ा के तत्वाधान में एक व्रहद गो सम्मेलन का आयोजन होगा जिसमें देश के कोने कोने से कार्यरत गोशालाओं के पदाधिकारिगण गो सेवक इस सम्मेलन में गो माता को न्याय दिलाने के लिए भाग लेंगे इस अवसर पर बाहर से पधारे हुए अन्य संतगणो ने भी प्रेस वार्ता में अपने विचारों को रखा प्रेस वार्ता में स्वामी अद्वैतानन्द गिरी (गंगोत्रीधाम) आचार्य रामस्वरूप ब्रह्मचारी गंगापुरी जी महाराज उदासीन अखाड़ा अशोक श्रीमाली जी कलाव्योम संस्था के अध्यक्ष राष्ट्रीय हिंदू संगठन ऋषि प्रकोष्ठ राष्ट्रीय प्रभारीअजय चौहान (बाबाजी) गौसेवक प्रभा चौहान राधेश्याम विश्वकर्मा डॉ महेशानंद जी गो एवं गौशाला संगठन मंत्री हर्ष तिवारी आगर मालवा अजयसिंह जी चौहान उज्जैन गोवर्धन लाल सोनीबजरंग कुमार माहेश्वरी गांधीधाम (गुजरात) आदि गोसेवक गण उपस्तिथ रहे।

कलेक्टर ने फूड इंस्पेक्टर को दिए निर्देश, ठीक से करें जांच

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉक्टर एवं स्टाफअगर फील्ड में नहीं जाएंगे तो कार्यवाही होगी। अगर किसी डॉक्टर की गांव में ड्यूटी है, तो वहां पर जाएं तथा अपने कार्य को करें। यह बात कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने कही। वें शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के कार्यो की समीक्षा कर रहे थे। उन्होने कहा कि शुगर के मरीजों के लिए सभी डॉक्टर्स उन्हें डाइट प्लान बताएं। इसके साथ ही दवाई के पर्चे पर उन्हें लिख कर भी दे की, डाइट में क्या खाना है और क्या नहीं खाना है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी स्वास्थ्य विभाग के कार्यो की निगरानी लगातार करें। अगर कोई कर्मचारी कार्य नहीं कर रहा है, तो उस पर कार्यवाही स्वयं करें। उन्होंने फूड इंस्पेक्टर को निर्देश देते हुए कहा कि कचोरी, समोसे की दुकानों पर दुकानदार उपयोग किया हुआ तेल ही प्रयोग ना करें। इन दुकानों का समय-समय पर निरीक्षण करते रहे। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत कुमार सत्यम, सीएमएचओ डा. अनिल नुकूम सहित अन्य सभी डॉक्टर एवं कर्मचारी मौजूद थे।

कार्यालय उज्जैन नगर पालिक निगम, उज्जैन
छत्रपति शिवाजी भवन आगर रोड उज्जैन

-: स्थानीय निविदा आमंत्रण सूचना :-

क्रमांक- 176/ शिवि/2023 उज्जैन दिनांक-3/3/23

निम्नांकित कार्य के लिए प्रपत्र 'अ' (फार्म ए) में प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग म.प्र. शासन भोपाल के कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से उक्त विभाग में पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर निविदा भाव प्रतिशत की दर पर दिये जाने हेतु निविदा दिनांक 20/3/23 के दोपहर 3.00 बजे नगर निगम मुख्यालय प्रशासनिक कार्यालय छत्रपति शिवाजी भवन आगर रोड उज्जैन में आमंत्रित की जाती है, सील बंद निविदाएं इसी दिनांक को दोपहर 3.15 बजे उपस्थित ठेकेदार के समक्ष खोली जावेगी, तथा ठेकेदार की (श्रेणी सी) एम. पी. गर्वमेंट व टेण्डर फार्म का मूल्य 1,000/- रहेगा। निविदा क्रय करने की अंतिम दिनांक 17/3/2023 समय 4.30 बजे तक रहेगी।

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी शिल्पज्ञ विभाग में अवकाश के दिन को छोड़कर देखी जा सकती है। यदि उपरोक्त निविदा में किसी प्रकार का संशोधन होता है तो इसकी सूचना पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नही की जावेगी। सशर्त निविदा मान्य नही होगी।

क्र.	निविदा का आमंत्रण	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र.	अर्नेस्टमनी रूपये	समय अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	I	वार्ड क्र. 10 कुमावतपुरा में आवश्यक विकास कार्य कराये जाने बाबत् ।	84646/-	UADD ISSR SOR 02.08.2021	1700/-	15 दिन

कार्यपालन यंत्री झोन क्र. 01
नगर पालिक निगम उज्जैन

कार्यालय नगर पालिका शाजापुर (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2022/671 शाजापुर, दिनांक 03.03.2023

भवन/भूमि नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण की जानकारी हेतु यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि नगरीय क्षेत्र शाजापुर के अंतर्गत मकान/प्लाट आदि के लिए आवेदन पत्र मप्र नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत प्रस्तुत किए गए हैं. उक्त मकान/प्लाट के नामांतरण में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो मय प्रमाण के आपत्ति लिखित रूप में विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के अंदर कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें. निश्चित समयावधि के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा. नियमानुसार नामांतरण की कार्यवाही की जाएगी, सो सूचित हो.

क्र.	पृ.क्र.	आवेदनकर्ता का नाम व पता	संपत्ति हस्तांतरणकर्ता का नाम	वार्ड क्र.	भवन/भूमि	नामांतरण का आधार
1	118/2023X7	ज्योति मोर्य पति संजय मोर्य उज्जैन (म.प्र.)	अनवर अली पिता एहमद अली भोईवाड़ा शाजापुर	28	भूमि	रजिस्ट्री
2	119/2023X7	अभिलाष, अभिषेक पुत्रगण स्व. जगदीश भावसार, भावसार मोहल्ला शाजापुर	जगदीश भावसार पिता स्व. मदनलाल गांधी मार्ग शाजापुर	19	भवन	शपथ पत्र
3	120/2023X7	फोजिया बी पति इमरान रथखाना शाजापुर	अनवर मोहम्मद पिता शहजाद मोहम्मद दायरा शाजापुर	5	भूमि	रजिस्ट्री
4	121/2023X7	आफरीन खान पति जीशान रथखाना शाजापुर	अनवर मोहम्मद पिता शहजाद मोहम्मद दायरा शाजापुर	5	भूमि	रजिस्ट्री
5	122/2023X7	पुनीता बाई राठौर पति बालचंद्र ब्रजविहार कॉलोनी शाजापुर	सविता मालवीय पति रामलाल आदित्य नगर शाजापुर	28	भूमि	रजिस्ट्री
6	123/2023X7	कला बाई जाटव, बेनीप्रसाद पत्नी/पुत्र स्व. छोटेलाल महूपुरा शाजापुर	स्व. लक्ष्मण पिता कुंवर जी महूपुरा शाजापुर	5	भवन	शपथ पत्र
7	124/2023X7	आलोक गुप्ता पिता अशोक गायत्री नगर शाजापुर	बेगम बी उर्फ अमतुल बी पति सिकंदर खां आदि कसेरा बाजार शाजापुर	28	भूमि	रजिस्ट्री
8	125/2023X7	रामचंद्र कुशवाह पिता देवीलाल जी आदर्श कॉलोनी शाजापुर	बाबू खां, शरीफ खां पुत्रगण दिलवार खां महूपुरा शाजापुर	1	भूमि	रजिस्ट्री
9	126/2023X7	सैय्यद जुल्फिकार पिता सैय्यद मजहर अली लालपुरा शाजापुर	पूनमचंद्र माली दत्तक पुत्र सोरम बाई आदि निवासी वार्ड 15 शाजापुर	15	भूमि	रजिस्ट्री
10	127/2023X7	सरला जैन पति अनिल कुमार, ईशा ठाकुर पिता स्व. अनिल कुमार लालखिड़की शाजापुर	अनिल कुमार पिता मगनलाल उर्फ मगनलाल लालखिड़की शाजापुर	9	भवन	शपथ पत्र

प्रेम जैन
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद शाजापुर

दिनेश सौराष्ट्रीय
प्रभारी
राजस्व एवं वित्त लेखा

अशफाक खान
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद शाजापुर

उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन
(जाहिर सूचना)

प्राधिकरण की **त्रिवेणी विहार** आवासीय योजना के आवंटित भूखण्ड/**क्रमांक बी-40/5 श्रेणी ईडब्ल्यूएस** को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन के संबंध में।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उज्जैन विकास प्राधिकरण की **त्रिवेणी विहार** आवासीय योजना में भूखण्ड **क्रमांक बी-40/5 श्रेणी ईडब्ल्यूएस** प्राधिकारी रिकार्ड में **श्री मदनदास बैरागी पिता श्री नारायण दासजी एवं श्रीमती कृष्णा बैरागी पति श्री मदनदास बैरागी निवासी 113/1, बेगमपुरा, उज्जैन** के नाम पर दर्ज है। प्राधिकरण कार्यालय में आवेदक के द्वारा आवेदन फार्म के साथ शपथ पत्र एवं अन्य वांछित दस्तावेज आदि प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन करने हेतु निवेदन किया गया है।

आवंटी द्वारा उक्त सम्पत्ति के प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्राधिकारी अभिलेखों में लीज की उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) किये जाने में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन होने की दिनांक से पन्द्रह दिन (15 दिवस) की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय उज्जैन विकास प्राधिकरण, उज्जैन भरतपुरी प्रशासनिक प्रक्षेत्र, उज्जैन में प्रस्तुत करें, अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात् उक्त सम्पत्ति को औपचारिकतायें पूर्ण होने पर अर्थात समस्त दस्तावेज तथा बकाया राशियाँ जमा होने पर आवेदन तथा दस्तावेज के आधार पर उक्त सम्पत्ति भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) कर दी जावेगी जिसमें किसी की कोई आपत्ति / उज्र मान्य नहीं होगी।

सहायक सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना में प्राप्त आवेदनों की जांच कर विवाह स्थल का किया चयन

सोयत कला /विष्णु जाटव/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को कार्यालय नगर परिषद में 11 मार्च को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना अंतर्गत कार्यालय में प्राप्त आवेदनों की जांच हेतु एक दल कार्यालय में पहुंचा। दल ने निकाय में प्राप्त 13 आवेदनों की जांच कर विवाह स्थल का चयन नगर परिषद कार्यालय के सामने प्रस्तावित किया। इस मौके पर उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग एवं समग्र सामाजिक सुविस्तार अधिकारी राजू अहिरवार एवं नगर परिषद प्रभारी सीएमओ महेंद्र सिंह मंडलोई ,धीरज भावसार मोजूद थे।

सम्पादकीय

पूर्वोत्तर की सत्ता

हालांकि इन राज्यों में छोटी विधानसभाएं हैं और वहां चुनाव में आमतौर पर लोग पार्टियों को नहीं, उम्मीदवारों के चेहरे पर मतदान करते रहे हैं। मगर इस बार पार्टियों के आधार पर वहां जीत-हार का आकलन किया जा रहा है और वहां के तीन राज्यों- त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय- के चुनाव नतीजों के आधार पर इस साल होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों और फिर अगले साल होने वाले आम चुनाव की तस्वीर खींचने का प्रयास किया जा रहा है।

त्रिपुरा और नगालैंड में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को स्पष्ट बहुमत मिला है, जबकि मेघालय में त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति है। हालांकि त्रिपुरा में भाजपा ने प्रस्ताव रखा है कि अगर टिपरा मोथा उसका समर्थन करती है, तो सरकार बनने के बाद वह उसकी सारी मांगें मान ली जाएंगी। मगर यह अभी चुनाव नतीजों के बाद की स्थितियों पर निर्भर करेगा। पूर्वोत्तर राज्यों की राजनीति दूसरे राज्यों की अपेक्षा थोड़ी भिन्न होती है। वहां कई स्थानीय मुद्दे जटिल हैं, जिनके आधार पर दलों का आपसी गठजोड़ तय होता है।

हालांकि हर चुनाव सीटों का खेल होता है। जिसके पास सरकार बनाने लायक उम्मीदवार जीत जाते हैं, सरकार उसी की बनती है। मगर पार्टियों की स्थिति का आकलन तो उन्हें मिले मतों के आधार पर होता ही है। इस दृष्टि से बेशक भाजपा गठबंधन को त्रिपुरा और नगालैंड में विजय मिली है, मगर आंकड़ों के मुताबिक उसे पहले की तुलना में कम सीटें मिली हैं और मत फीसद भी गिरा है। पर इस दृष्टि से कांग्रेस की स्थिति भी बेहतर नहीं कही जा सकती, बेशक उसके मत फीसद में कुछ बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

कयास लगाए जा रहे थे कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का वहां के चुनावों पर असर पड़ेगा और कांग्रेस को उसका लाभ मिलेगा। मगर ऐसा नहीं हुआ। वहां वाम दलों की पकड़ मजबूत हुआ करती थी और करीब पच्चीस साल तक सत्ता में रहे, मगर वे भी अपनी जमीन वापस लेने में कामयाब नहीं हो पाए, तो इसकी कुछ वजहें स्पष्ट हैं।

दरअसल, पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की बहुत पुरानी शिकायत रही है कि उनकी तरफ केंद्र की सरकारें ध्यान नहीं देतीं। उनके राज्यों में विकास परियोजनाओं की रूपरेखा नहीं बनाई जाती। उनके सीमा और पहचान संबंधी विवादों के निपटारे की गंभीरता से कोशिश नहीं की जाती। इस लिहाज से भाजपा ने पूर्वोत्तर पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

राज्यों के बीच सीमा संबंधी विवादों को सुलझाने का प्रयास किया गया। इसके नतीजे प्रकट रूप में दिखने भी लगे हैं। इसका असर स्वाभाविक रूप से वहां के लोगों के मन पर पड़ा है। जबकि इन राज्यों के लोगों की वैचारिक पृष्ठभूमि भाजपा के सिद्धांतों से सीधे-सीधे मेल नहीं खाती, मगर विकास का मुद्दा उन्हें उससे जोड़ता है।

इससे एक बार फिर यह स्पष्ट हुआ है कि आम लोग वैचारिक और सैद्धांतिक मुद्दों के बजाय विकास के मुद्दों को अधिक तरजीह देते हैं। अगर केवल सिद्धांत प्रभावित करते, तो त्रिपुरा में भाजपा की वापसी संभव न हो पाती। मगर उसके सामने यह चुनौती तो है ही कि पूर्वोत्तर में अपनी पकड़ मजबूत बनाने के लिए उसे स्थानीय समस्याओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करना होगा।

होली पर करें ये अचूक उपाय, मिलेगी सफलता, बन जाएंगे बिगड़े काम

शास्त्रों की बात, जानें धर्म के साथ

अक्सर लोग अपने जीवन में सफलता पाने के लिए या समस्या का समाधान करने के लिए होली के दिन उपायों का सहारा लेते हैं, जिससे उनके जीवन की समस्याएं दूर हो जाती है.

होली पर करें ये अचूक उपाय, मिलेगी सफलता, बन जाएंगे बिगड़े काम

होली के उपाय

होली पर उपाय और टोटको का बड़ा महत्व बताया गया है. अगर आप अपनी जिंदगी में किसी भी स्तर पर परेशान हैं तो इन छोटे-छोटे उपाय से आप लाभ पा सकते हैं. होली पर ये छोटे-छोटे टोटके आपकी हर समस्या का समाधान कर सकते हैं.

जानते हैं इन उपाय के बारे में.

व्यापार में लाभ के लिए , करें ये उपाय

इस होलिका दहन के बाद होलिका का पूजन करें.

पूजन करने के पश्चात नारियल, पान और सुपारी जलती होली को भेंट करें.

इसके बाद 11 परिक्रमा करें.

परिक्रमा करते समय अपनी कामना की प्रार्थना करना न भूले.

होलिका दहन के अगले दिन सुबह होलिका की थोड़ी सी राख लाकर, एक लाल वस्त्र में स्फटिक श्रीयंत्र, चांदी के कुछ सिक्के और राख को बांधकर अपने घर की तिजोरी में रख दें.

कर्जा पाने में दिक्कत हो, तो करें ये उपाय

जिस जगह होली का दहन हो रहा हो, वहां पर एक अनार की लकड़ी पर उस आदमी का नाम लिखकर उसके ऊपर हरा गुलाल डालकर होलिका में डाल दें.

धन वापस पाने की होलिका माता से प्रार्थना करें.

आपका धन अतिशीघ्र वापस मिल जाएगा.

व्यापार में गिरावट रोकने के लिए, करें ये उपाय

आप होली के दिन पीले कपड़े में काली हल्दी, 11 गोमती चक्र और एक सिक्का चांदी का काले कपड़े में बांधकर होली की 11 बार परिक्रमा करके 108 बार 'ऊँ महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करें

होली की अग्नि में प्रवाहित कर दें इससे आपके व्यापार में वृद्धि होने लगेगी.

परिवार के सुख, स्वास्थ्य के लिए, करें ये उपाय

होलिका दहन के दिन परिवार के सभी सदस्यों के पैर के अंगूठे से लेकर हाथ को सिर से ऊपर पूरा ऊँचा करके कच्चा सूत नाप कर होली में डालें.

होली की विभूति यानि राख घर जरुर लायें.

पुरुष इस भस्म को मस्तक पर और महिला अपने गले में लगाएं इससे स्वास्थ्य सुख बना रहेगा.

ग्रहों की शांति के लिए , करें ये उपाय

होली की रात उत्तर दिशा में बाजोट पर सफेद कपड़ा बिछाकर उसपर मूंग, चने की दाल, चावल, गेहूं, मसूर, काले उड़द एवं तिल की ढेरी बनाएं.

अब उस पर नवग्रह यंत्र स्थापित करें.

उस पर केसर का तिलक करें, घी का दीपक लगाएं

ब्रह्मा मुरारी स्त्रीपुरान्तकारी भानु शशि भूमि-सुतो बुधःचगुरुःच शुक्र शनि राहु केतवः सर्वे ग्रहा शांति करा भवंतु।।, मंत्र का जाप स्फटिक की माला से जाप करें.

जाप पूरा होने पर यंत्र को पूजा स्थान पर स्थापित करें, ग्रह अनुकूल होने लगेंगे.

विद्यार्थी अच्छे नंबर पाने के लिए, करें ये उपाय

बच्चे के हाथों से पान, नारियल और सुपारी को होलिका दहन वाली जगह पर दान कर दें.

इस उपाय से जरूर लाभ मिलेगा.

वास्तु दोष से मुक्ति पाने के लिए, करें ये उपाय

होलिका दहन के अगले दिन सर्वप्रथम उठकर स्नान कर स्वच्छ होकर अपने इष्टदेव को गुलाल अर्पित करें.

अपने इष्ट देव का निवास स्थान ईशान कोण में रख कर पूजन करें.

यह उपाय करने से ग्रह दोष, वास्तु दोष समाप्त हो जाता है और घर में शांति, सुख-सुविधा धनेश्वरी की वर्षा होती है.

नौकरी प्राप्ति के लिए होली, करें ये उपाय

होलिका दहन के दिन 8 नींबू लेकर उसे अपने ऊपर से 21 बार उतारे यानि यह क्रिया एंटी क्लोकवाईस करें.

इन्हें ले जाकर जलती होली में चढ़ा दें.

यह उपाय कर होलिका की 8 परिक्रमा करें और मन ही मन अपनी कामना पूर्ति की प्रार्थना देवी होलिका से करें.

दरिद्रता के नाश के लिए, करें ये उपाय

होली की रात पूर्व दिशा की ओर मुंह करके, आसन लगाकर, सात कौड़ियों व एक छोटे शंख को मसूर की दाल की ढ़ेरी पर स्थापित कर लें.

इसके पश्चात मूंगे या फिर तुलसी की माला से ऊँ गं गणपतये नमः.

मंत्र का 5 माला जाप करें.

मंत्र-जप संपन्न होने पर समस्त सामग्री को किसी निर्जन स्थान पर गड्ढा खोदकर दबा दें.

ऐसा करने से निश्चित ही आपकी दरिद्रता का नाश होगा.

आर्थिक संकट दूर करने के लिए, करें ये उपाय

घर या प्रतिष्ठान पर कोई भी एक कील ले जाकर जिस स्थान पर होली जलनी हो, वहां की मिट्टी में दबा दें.

अगले दिन उस कील को निकालकर मुख्य-द्वार के बाहर की मिट्टी में दबा दें.

इस उपाय से आपके निवास या प्रतिष्ठान में किसी प्रकार की नकारात्मक शक्ति का प्रवेश नहीं होगा,न ही किसी प्रकार का आर्थिक संकट आप पर आएगा.

व्यापार में सफलता मिलने के लिए, करें ये उपाय

होलिका दहन के दूसरे दिन एकाक्षी नारियल को लाल कपड़े में गेहूं के आसन पर स्थापित करें और सिंदूर का तिलक करें.

फिर मूंगे की माला से ऊं श्रीं श्रीं श्रीं परम सिद्धि व्यापार वृद्धि नमः.

मंत्र का 11 माला जाप होने पर इस पोटली को दुकान में ऐसे स्थान पर टांग दें, जहां ग्राहकों की नजर इस पर पड़ती रहे.

इससे व्यापार में सफलता मिलने के योग बन सकते हैं.

होली की रात करें ये उपाय, हर चाहत होगी पूरी

ज्योतिष में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं, जिन्हें होली पर करने से आप समस्त कष्टों से मुक्त हो सकते हैं।

होली का त्यौहार कई मायनों में बहुत ही खास होता है। शास्त्रों के अनुसार जहां यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत बताता है, वहीं इस दिन तंत्र-मंत्र संबंधित क्रियाएं भी की जाती हैं। ज्योतिष में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं, जिन्हें इस दिन करके आप समस्त कष्टों से मुक्त हो सकते हैं।

जानिए ऐसे ही कुछ और उपायों के बारे में

कर्ज मुक्ति और धन लाभ के लिए होली के उपाय

होली के दिन भगवान नृसिंह का प्राकट्य हुआ था। अतः इस दिन नृसिंह स्त्रोत का पाठ कर होलिका दहन की अग्नि में एक नारियल डाल दें। इससे समस्त प्रकार के कर्जे से मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही घर में पैसे की भी आवक होने लगेगी।

सुखी वैवाहिक जीवन के लिए होली के उपाय

यदि आपका वैवाहिक जीवन दुख और कटुता भरा है तो होली के दिन इस उपाय को कर सकते हैं। होली के दिन उत्तर दिशा में एक आसन या पट्टे पर सफेद कपड़ा बिछाएं। उस पर चावल, दाल और अनाज के दानों से विधिवत रूप से नवग्रह यंत्र स्थापित करें। केसर का तिलक कर घी का दीपक जलाएं और कामदेव के साथ रति की पूजा करें। इससे वैवाहिक जीवन आनंद से भर उठेगा।

घर में मौजूद बुरी शक्तियों को बाहर निकालने के लिए

धर्म

पं. सतीश नागर
श्री अन्नपूर्णा अनुष्ठान केन्द्र
मो. 9753585323

होलिका दहन की राख को अपने घर लाकर घर के चारों ओर छिड़क दें। साथ ही होलिका दहन में जलते उपले को घर लाकर उसकी धूनी पूरे घर में दें। इस उपाय से घर में मौजूद समस्त नेगेटिव शक्तियां, भूत-प्रेत-पिशाच उस स्थान से दूर भाग जाते हैं।

धन लाभ के लिए

होली की रात को अर्द्धरात्रि में ठीक 12 बजे किसी मंदिर में स्थित पीपल वृक्ष के नीचे देसी घी का दीपक जलाएं। इसके बाद वृक्ष की सात बार परिक्रमा करें। पीपल में स्थित भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी से प्रार्थना करें कि वे आपकी आर्थिक स्थिति को सही करें। इस उपाय को करते ही सब कुछ सही होने लगेगा।

शनिवार, 4 मार्च 2023ः किसे मिलेगा आज व्यापार, संपत्ति में मनोनुकूल लाभ, पढ़ें अपनी राशि

मेष राशि

आज का भविष्य ः स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

उपायःआज बरगद के पत्ते पूजा स्थल पर रखें

शुभ अंकः7

शुभ रंगःक्रीम

वृषभ राशि

आज का भविष्य ः पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

उपायःआज पीपल के पेड़ के नीचे जलाएंगे तो मानसिक परेशानी दूर होगी।

शुभ अंकः3

शुभ रंगःलाल

मिथुन राशि

आज का भविष्यः दुःखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा।

उपाय-जातक आज शनिदेव की पूजा करें

शुभ अंकः1

शुभ रंगःसफेद

कर्क राशि

आज का भविष्य ः भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं, लाभ होगा।

उपायःजातक आज वृद्धा आश्रम में समय बितायें और सेवा करें।

शुभ अंकः9

शुभ रंगःलाल

सिंह राशि

आज का भविष्य ः घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी।

उपायःआज जातक भगवान शिव को धतुरा चढ़ाएंगे तो स्वास्थ्य और धन लाभ होगा।

शुभ अंकः5

कन्या राशि

आज का भविष्य ः यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा।

उपायःजातक एक गिलास दूध रखकर सोये और उसे दूसरे दिन पीपल के पेड़ में चढ़ाएं।

शुभ अंकः6

शुभ रंगःपीला

तुला राशि

आज का भविष्य ः स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें।

उपायःजातक आज जातक हनुमान जी की पूजा करें, लाभ मिलेगा।

शुभ अंकः3

शुभ रंगःपीच

वृश्चिक राशि

आज का भविष्य ः बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

उपायःजातक आज घर से निकलते वक्त इलाइची खाएंगे तो लाभ मिलेगा।

शुभ अंकः8

शुभ रंगःनीला

धनु राशि

आज का भविष्य ः नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। बड़ा कार्य करने का मन बनेगा। सफलता के साधन जुटेंगे। जोखिम न उठाएं।

उपायःजातकलड्डू गरीबों का दान करेंगे तो शनिदेव की कृपा बरसेगी।

शुभ अंकः8

शुभ रंगःहरा

मकर राशि

आज का भविष्य ः किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें। धन प्राप्ति होगी। प्रमाद न करें।

उपायःजातक तुलसी का पौधा घर लाएं।

शुभ अंकः3

शुभ रंगःगुलाबी

***कुंभ राशि**

आज का भविष्य ः स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे। धनार्जन संभव है।

उपायःआज जातक 11 दुर्वा से रोज गणेश जी की पूजा करें।

शुभ अंकः5

मीन राशि

आज का भविष्य ः प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें।

उपायःआज गणेश जी की पूजा करें

शुभ अंकः8

शुभ रंगःग्रे

सदैव प्रसन्न रहिये।
जो प्राप्त है, पर्याप्त है।।

मनुष्य के जीवन में क्षमाशीलता का बहुत बड़ा महत्व है- सहजयोग

क्षमा मांगने से अहंकार खत्म होता है, जबकि क्षमा करने से संस्कार बनते हैं। जिसके पास क्षमा का गुण है, वे हमेशा प्रसन्नचित रहते हैं और उसके शत्रु भी नहीं होते हैं। मनुष्य के जीवन में क्षमा का बहुत बड़ा महत्व है। अगर कोई इंसान गलती कर दे और उसके लिए तुरंत माफी मांग ले तो सामने वाले का गुस्सा काफी हद तक दूर हो जाता है। क्षमा मांगना व्यक्तित्व का एक अच्छा गुण है। इसी तरह किसी को क्षमा कर देना भी अच्छे व्यक्तित्व की पहचान है।

हमारे शरीर में सात चक्र, तीन नाड़ियां हैं, जब आज्ञा चक्र अहंकार से कमज़ोर हो जाता है तो हम माफ़ नहीं कर पाते हैं। महात्मा गांधी जी कहते हैं, कि कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है। सहजयोग द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने पर हमारा यह आज्ञा चक्र पूरी तरह ठीक हो जाता है। और सभी को क्षमा करने का गुण आ जाता है।

श्री माताजी निर्मला देवी जी साधकों को मुंबई (भारत) में 20 जनवरी 1975 मे कहती हैं कि कलियुग में क्षमा से बड़ी कोई विधि नहीं है। क्षमा की शक्ति जितनी अधिक होगी, आप उतने ही अधिक शक्तिशाली होंगे। सभी को क्षमा करें। क्षमा वही कर सकता है जो बड़ा है। छोटा दिमाग वाला क्या माफ कर सकता है।

अपने भीतर जो धर्म है, उसे जानो। आप धर्म में खड़े हैं। जो धर्म में खड़ा है उसके भीतर इतनी जबरदस्त शक्तियां हैं।...अपनी शक्तियों को जानो जो केवल धर्म पर आधारित है।

और धर्म प्रेम के सिवा और कुछ नहीं है। और अगर प्रेम ही सब कुछ है तो क्षमा उसका अंग बन जाती है। हमारे प्यार को देखकर कोई कितना जुल्म कर सकता है? एक इंसान कितना बुरा कर सकता है? दूसरा आपको कितना परेशान कर सकता है? उन्हें करने दो। सब कुछ प्रेम से धुल जाएगा। कलियुग में यही एकमात्र तरीका है।

सहजयोग में श्री माताजी की कृपा में कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति होती है और चक्रों व नाड़ियों का संतुलन प्राप्त हो जाता है। व्यक्ति स्वभाव से संतमना हो जाता है। उसकी भौतिक, शारीरिक, मानसिक और सामाजिक सभी प्रकार की समस्यायों का समाधान सहज ही होने लगता है। बस आवश्यकता है हृदय से समर्पित होने की।

सहजयोग से निःशुल्क आत्मसाक्षात्कार का अनुभव प्राप्त होता है। अधिक जानकारी हेतु आप हमारे हेल्पलाइन नंबर 18002700800 या वेबसाइट sahajayoga.org.in पर संपर्क करें।

अशिक्षा,अज्ञानता,अंधविश्वास राष्ट्रीय विकास के लिए घातक

गहन चिंतन आवश्यक।

अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी हैद्य यदि अशिक्षित मनुष्य धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात कुछ थोड़ी देर के लिए समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात हैद्य यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही हैद्य

शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता हैद्य उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक हैद्य शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का

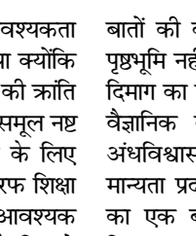

संजीव ठाकुर

अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिएद्य बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलतः अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र के विश्वास में आकर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों की बलि देने से भी नहीं परहेज करता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास तथा कट्टरपंथ का लाभ समाज के कुछ चालबाज तथा धोखेबाज लोग उठाते हैं और यही लोग इन अंधविश्वासी लोगों को भूत, प्रेत ,राहु केतु,काल सर्प दोष इत्यादि का भय दिखाकर पूजा पाठ तंत्र मंत्र के नाम से हजारों रुपए लूट लेते हैं। यह सिर्फ गांव में ही नहीं हो रहा है यह शहरों में भी बुरी तरह व्याप्त है तंत्र मंत्र तथा भूत प्रेत से छुटकारा भारत के कस्बों तथा गांव में एक व्यवसाय के रूप में विकसित हो गया है जो देश के लिए एक बड़ी विसंगति और विडंबना है। ऐसे तंत्र मंत्र और भविष्य के दर्शन कराने वाले तांत्रिकों का विज्ञापन न सिर्फ बड़े-बड़े अखबारों में बल्कि स्थापित टीवी चैनलों में भी खुल कर दिया जाता है जिससे न सिर्फ अनपढ़, अंधविश्वासी बल्कि शिक्षित लोग भी झांसे में आकर बड़ी धनराशि से हाथ धो बैठते हैं। विकसित यूरोपीय देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, फ्रांस, इजरायल तथा अन्य देशों में भी अंधविश्वास व्याप्त है किंतु भारत में अशिक्षा के कारण इसकी जड़ें थोड़ी गहरी व्याप्त हैं। शिक्षा के प्रचार-प्रसार तथा मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अंधविश्वास को जनमानस तथा देर से दूर किया जा सकता है किंतु मूल रूप से प्राथमिक शिक्षा को एक सशक्त माध्यम रखकर अंधविश्वास एवं धार्मिक कट्टरता के विरोध में बातें रखी जाए तो देश एक अंधविश्वास मुक्त राष्ट्र बन सकता है।

संजीव-नी।

जिंदगी अग्नि परीक्षा

का नाम है,
उसे पास करो,
बाईपास करने की
कोशिश ना करो,
जिन्दगी को जीओ,
उसे समझने की
कोशिश ना करो,
चलते वक्त के साथ
चलो,वक्त को बदलने
की कोशिश न करो,
दिल खोल कर सांस लो,
अंदर ही अंदर घुटने
की कोशिश न करो..!
कुछ बातें प्रभु भोलेनाथ
पर छोड़ दो,
सब कुछ खुद
सुलझाने की कोशिश न करो,
जीवन मिला है
परोपकार कर जियो
स्वार्थ में जीवन जीने
की कोशिश ना करो,
कुछ भोलेनाथ
ने भी ठाना है,
बस उपासना करो
फल पाने की
कोशिश ना करो,
जीवन भोलेनाथ की देन है,
जी भर कर जियो
भोलेनाथ की सेवा करो,
किसी से बराबरी की
कोशिश ना करो,
सावन की शुभकामनाएं,
जय जय जय भोलेनाथ।

-संजीव ठाकुर

सांई भक्तों ने मनाई मंदिर की 32वी वर्षगांठ

भंडारे के बजाए किया प्रसादी का वितरण, शाम को कराया निराश्रितों को भोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हर वर्ष की तरह इस बार भी टंकी चौराहा स्थित सांई मंदिर की सजावट 3 मार्च को देखने लायक थी। जहां लोग सांई की श्रृंगारित प्रतिमा को देखने पहुंच रहे थे और उनका आशीर्वाद ले रहे थे। अवसर था मंदिर की 32वी वर्षगांठ का जहां विभिन्न आयोजन किए गए। वहीं इस वर्ष भी भंडारे का आयोजन नहीं किया गया। इसके बजाए इस वर्ष से सांई सदाव्रत सेवा का शुभारंभ किया गया, जहां वर्ष में एक बार की बजाए प्रतिदिन निराश्रितों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया।

शुक्रवार को टंकी चौराहा स्थित सांई बाबा मंदिर पर प्राण-प्रतिष्ठा की वर्षगांठ मनाई गई और भंडारे का आयोजन न करते हुए केवल प्रसादी का वितरण किया गया। हालांकि मंदिर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया था, जो देर रात तक जारी रहा। अलसुबह बाबा का महाअभिषेक किया गया। पश्चात् महाआरती कर दिनभर पूजा और भजन-कीर्तन का सिलसिला चलता रहा। वही बाबा के दर्शन व महाप्रसादी के लिए भक्तों की कतार देखी गई।

मंदिर की भी की आकर्षक सज्जा

सांई सेवा समिति द्वारा शुक्रवार सुबह 5 बजे श्रीसांई प्रतिमा का जलाभिषेक किया गया तथा विशेष पूजा-अर्चना के साथ हवन किया गया। समिति द्वारा मंदिर की आकर्षक साज-सज्जा की गई। सुबह जहां सम्पूर्ण मंदिर खुशबूदार फूलों से सजाया गया, वहीं शाम मंदिर का कोना-कोना रोशनी से जगमगा उठा। बाबा की प्रतिमा का शृंगार भी शिर्डी से मंगवाए गए हारों से किया गया। श्री सांई बाबा को भोग लगाने के बाद हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कलेक्टर ने किया सांई सदाव्रत सेवा की शुरूआत

मंदिर की 32वी वर्षगांठ से सांई मंदिर में सांई सदाव्रत सेवा की शुरूआत की गई। जिसका शुभारंभ कलेक्टर दिनेश जैन ने किया। जिन्होंने अपने हाथों से निराश्रितों को भोजन कराया। समिति के अरूण शर्मा ने बताया कि निराश्रितों व असहाय लोगों को सुबह तो भोजन की व्यवस्था हो जाती है, लेकिन शाम को इन लोगों के लिए कहीं कोई व्यवस्था नहीं है। जिसके चलते यह निर्णय लिया गया कि वर्ष में एक बार भंडारे का आयोजन करने के बजाए निराश्रितों के लिए प्रतिदिन भोजन की व्यवस्था की जाए। जिसके चलते यह सेवा शुरू की गई है।

मांगों को लेकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने की काम बंद हड़ताल

– मांगे नही मानी तो 15 से होगी अनिश्चितकालीन हड़ताल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ संयुक्त मोर्चा के बैनरतले जिलेभर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एक दिवसीय काम बंद हड़ताल पर रहीं। शुक्रवार को कार्यकर्ताओं ने अपना काम बंद कर विरोध जताया और सरकार से शीघ्र ही मांगों को पूरा किए जाने की मांग की गई।

आंगनवाड़ी संघ की जिलाध्यक्ष कामिनी सिंह ने बताया कि प्रदेश आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ संयुक्त मोर्चा के समर्थन से पूर्व से लंबित मांगों को पूरा कराने के संबंध में समय-समय पर ज्ञापन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित कराने का प्रयास किया गया, लेकिन सरकार द्वारा मांगों पर कोई भी विचार नहीं किया गया। सरकार के इस उपेक्षापूर्ण रवैये के कारण काम बंद हड़ताल के दौरान कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग स्थानों पर एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के लिए आकर्षक योजना बनाकर उनके जीवन स्तर को सुधारने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता जाहिर की जा रही है और इन सभी योजनाओं का क्रियान्वयन, प्रचार प्रसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा कराया जा रहा है। बावजूद इसके सरकार कार्यकर्ताओं के हितों का ध्यान नही रख रही है। प्रदर्शन के माध्यम से सरकार से मांग की गई है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को शासकीय कर्मचारी घोषित किया जाए, साथ ही नियमित होने तक कार्यकर्ता एवं सहायिका को 24000 एवं 18000 प्रतिमाह न्यूनतम वेतन का भुगतान किया जाए, मिनी आंगनवाड़ी केंद्रों में पदस्थ कार्यकर्ता को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का दर्जा दिया जाए और पूर्ण मानदेय का भुगतान किया जाए, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को वरिष्ठता के आधार पर सुपरवाइजर के पद पर पदोन्नत किया जाए, समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अवकाश के साथ-साथ भविष्य निधि पेंशन, ट्रेजर चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाए, पूर्व में कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी कर कार्यकर्ताओं को 1500, मिनी कार्यकर्ता को 1250 रुपए और सहायिका को 750 की वृद्धि की गई थी जिसे अल्प समय के लिए बनी कांग्रेस की सरकार के द्वारा निरस्त कर दिया गया था जिसे उसी समय से तत्काल लागू करते हुए संपूर्ण राशि का भुगतान एकमुश्त किया जाए। उन्होंने सभी मांगों को पूरा करने की मांग की और कहा कि यदि सरकार द्वारा मांगों का निराकरण 14 मार्च के अंदर नही किया गया तो 15 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी। साथ ही चुनाव का बहिष्कार भी किया जाएगा।

फाग रंगोत्सव के साथ होगी रीजन कांफ्रेंस अवार्ड सेरेमनी वेदांशी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीकृष्ण के फाग रंगोत्सव के साथ महाकाल की नगरी में रीजन-03 की रीजन कॉन्फ्रेन्स वेदांशी 5 मार्च को आयोजित की जाएगी। रीजन सचिव लायन दीपक राजवानी ने बताया कि रीजन चेयरपर्सन लायन शैलेष सोनी द्वारा आयोजित कांफ्रेंस का शुभारंभ 9.30 बजे होगा। रविवार को होटल मिरेकल, हरीफाटक रोड़ पर होने जा रही रीजन कांफ्रेंस अवॉर्ड सेरेमनी में मुख्य आकर्षण बेनर प्रस्तुतिकरण एवं क्लबों द्वारा वर्षभर किए गए कार्यों का अवलोकन कर रीजन द्वारा क्लबों एवं व्यक्ति विशेष का सम्मान कर उसे अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ लायन अजय गुप्ता विशिष्ठ अतिथि एमजेएफ लायन जे. पी. एस. जौहर प्रथम वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, विशिष्ठ अतिथि एमजेएफ लायन मनीष शाह द्वितीय वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, लायन महेन्द्र सिंह चेयरमेन रीजन कॉन्फ्रेन्स होंगे। वहीं एमजेएफ लायन सुधा बाहेती रीजन कॉन्फ्रेन्स को चेयरपर्सन, लायन प्रवीण खण्डेलवाल रीजन कॉन्फ्रेन्स को चेयरपर्सन, लायन महेश शर्मा रीजन कॉन्फ्रेन्स सचिव, लायन शैलेष कलवाडिया रीजन कॉन्फ्रेन्स सह-सचिव, लायन जे.पी. उदावत रीजन कॉन्फ्रेन्स कोषाध्यक्ष होंगे।

1993 में जब मैं केंद्रीय वाणिज्य मंत्री था तब पीथमपुर को औद्योगिक क्षेत्र का दर्जा दिया गया

शिवराज सिंह को शर्म नहीं आती मुझसे 15 महीनों का हिसाब मांगते हुए, वो अपने 18 वर्षों का हिसाब दें, 215 महीनों से प्रदेश में उनकी सरकार है- कमलनाथ

निवेश की केवल झूठी घोषणाएं हो रही हैं, वास्तव में निवेश नहीं आ रहा है क्योंकि निवेश विश्वास से आता है, प्रदेश के चेहरे से आता है

धार /दैनिक मालवा हेराल्ड।धार जिले के पीथमपुर नगरपालिका के चुनावों में कांग्रेस को मिली प्रचंड जीत के पश्चात नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ ने पत्रकारों से चर्चा की, इस दौरान उन्होंने कई बिंदुओं पर विस्तार से अपनी बात रखते हुए कहा कि...

1993 में जब मैं केंद्रीय वाणिज्य मंत्री था तब पीथमपुर को औद्योगिक क्षेत्र का दर्जा दिया गया।आज जिस तरह औद्योगिकीकरण होना था, आर्थिक गतिविधि होना थी, उस तरह नहीं हो पाई है। सारी स्थितियां चौपट हैं।

6 इंवेस्टर्स समिट हुई, उनके आंकड़े यह हैं कि 760 प्रपोजल आए और जमीन पर केवल इसका 5 प्रतिशत ही उतर पाए। 30 लाख करोड़ की निवेश घोषणाएं हुई, पर हुआ क्या?

इस तरह की नाटक-नौटंकी से निवेश नहीं आता। अपना प्रदेश 5 प्रदेशों से घिरा हुआ है, जिसको तमिलनाडु और केरल में अपना सामान बेचना है वह पंजाब और हरियाणा में अपना उद्योग क्यों लगाएगा? उसके लिए यह सुविधा है, यह इकॉनॉमिकल है कि वह मध्यप्रदेश में उद्योग लगाए पर उसको मध्यप्रदेश पर विश्वास होना चाहिए। निवेश विश्वास से आता है, प्रदेश के चेहरे से आता है।

निवेश और रोजगार की झूठी घोषणाओं के बावजूद आंकड़ा यह है कि पिछले साल प्रदेश में 90 लाख युवा बेरोजगार थे और इस साल एक करोड़ नौजवान बेरोजगार हैं।

सबसे बड़ी चुनौती हमारे नौजवानों का भविष्य है। बेरोजगार नौजवान आज तड़प रहा है कि उसे व्यवसाय का मौका मिले, उसके हाथों को काम मिले पर वर्तमान सरकार के पास इसकी कोई सोच नहीं है। यह विजन से होता है, टेलीविजन से नहीं!

छह-सात महीने बचे हैं, भाजपा के पास केवल पुलिस, पैसा और प्रशासन है। ये खरीद-फरोख्त के लिए प्रशासनिक दबाव डालते हैं। मैं जानता हूं कि जनपद और पंचायतों के चुनाव में कितना प्रशासनिक दबाव था। आज प्रदेश का हर वर्ग परेशान है लेकिन ये हमारे 15 महीनों के कार्यकाल का जवाब मांगते हैं!

15 महीनों में से ढाई महीने लोकसभा चुनाव की आचार संहिता में चले गए। शिवराज सिंह को शर्म नहीं आती मुझसे 15 महीनों का हिसाब मांगते हुए, वो अपने 18 वर्षों का हिसाब दें, 215 महीनों से भाजपा का शासन है और मुझसे साढ़े बारह महीनों का हिसाब मांगते हैं!

जनता मेरी गवाह है, जनता हिसाब देगी! जो हुआ जनता के सामने हुआ। घोषणाओं से नहीं हुआ। गौशालाएं बनीं, मध्यप्रदेश के इतिहास में इतनी गौशालाएं कभी नहीं बनीं। हमने कर्जा माफी की, जिसको इन्होंने विधानसभा में स्वीकार किया कि 27 लाख किसानों का कर्जा माफ हुआ है। ये रोज झूठ बोलते हैं, कहते हैं कि मैंने संबल योजना बंद कर दी पर मैंने इसे कभी बंद नहीं किया था, %नया सवेरा% नाम से यह योजना चलती रही।शिवराज सिंह का खाना हजम नहीं होता है जब तक वह झूठ नहीं बोल लेते हैं। हर बात पर झूठ बोलने वाले शिवराज सिंह ने लगभग 20 हजार झूठी घोषणाएं कर रखी हैं। आज सारे प्रदेश का सत्यानाश कर दिया गया है। किसानों, युवाओं, निवेश, पोषण और कानून व्यवस्था का सत्यानाश कर दिया गया है। जहां देखो सत्यानाश! यह आज प्रदेश की तस्वीर है! मुझे मध्यप्रदेश के मतदाताओं पर पूरा विश्वास है कि वो अपने भविष्य को सुरक्षित रखेंगे। प्रदेश की तस्वीर अपने सामने रखेंगे और सच्चाई का साथ देंगे।

मीडिया विभाग,

त्रिपुरा और नागालैंड विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत की कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।भाजपा ने पूर्वोत्तर के राज्यों त्रिपुरा और नागालैंड के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की खूशी मनाते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने विजय उत्सव मनाया।भाजपा जिला मिडिया प्रभारी विजय जोशी ने बताया कि पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी चलाकर विजय उत्सव मनाया और मिठाइयां बांटी। इस मौके पर भाजपा प्रदेश कार्यकारणी सदस्य एव जिला प्रभारी जगदीश अग्रवाल, जिला महामंत्री विजय बैंस, दिनेश शर्मा, संतोष बराड़ा, यमुना कछवा, गोपाल राजपूत, राजेंद्र जादौन, विपुल कसेरा, उत्कर्ष सिसोदिया, चेतना शर्मा, नवीन राठौर, राधेश्याम गुर्जर, हरिओम गोठी, गोपाल पटेल, मोहन जादौन, भगवत राजपूत, दीपक वर्मा, रमेश चमन, प्रमिला मुहाड़कर, अनिता पाटीदार, नरेंद्र भावसार, रवि लोधी, मोनू जैन, सुखराम धाकड़, जुगल नाहर, उपस्थित थे। जीत के उत्सव पर पर भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जगदीश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में पूर्वोत्तर के राज्यों में हुए विकास एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व क्षमता पर जनता ने भाजपा पर विश्वास जताया और वोट किया है। यह जीत बताती है कि जनता का मोदी पर भरोसा हर रोज और मजबूत हो रहा है।

मार्च में ही तापमान 36 पार, आज बारिश के आसार

आज से शुरू हो सकती है प्री-मानसून एक्टिविटी, मामूली बारिश की संभावना

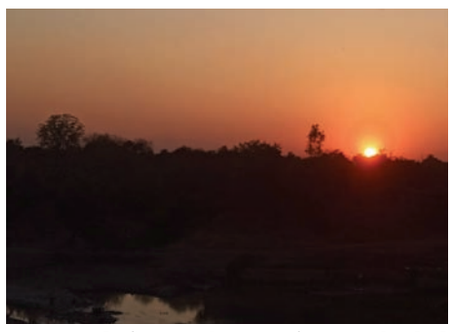

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मौसम बदलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिन का तापमान 36 डिग्री तक पहुंच चुका है जो गर्मी का एहसास करा रहा है तो रात में सर्द हवाएं सर्दी का एहसास करवा रही हैं। वहीं आज या कल मौसम विभाग द्वारा बारिश की संभावना जताई जा रही है जो प्री-मानसून एक्टिविटी की शुरूआत मानी जा रही है। इस दौरान हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम पर्यवेक्षक सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि मौसम परिवर्तन का सिलसिला आगामी दो सप्ताह तक और जारी रह सकता है। इस दौरान तापमान कम होगा और बारिश के भी आसार हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार या रविवार में बारिश हो सकती है। हालांकि इस दौरान हल्की बारिश हो सकती है इससे ज्यादा संभावना नहीं है। उन्होंने बताया कि यह प्री-मानसून एक्टिविटी है जो अक्सर मार्च माह से शुरू हो जाती है। इस दौरान आंधी चलने की भी संभावना है। वहीं तापमान भी कम हो सकता है और एक सप्ताह तक मौसम का ऐसा ही हाल बना रहेगा। इसके बाद 16 से 20 मार्च तक तापमान में वृद्धि हो सकती है और इस दौरान तापमान 40 डिग्री या उससे अधिक तक पहुंच सकता है।

दिन में चल रहे पंखे, रात में कंबल बन रहा सहारा-मार्च माह में शहरवासियों को मौसम के तीनों रूप देखने को मिल रहे हैं। दिन में सूरज की तीखी किरणों से लोगों के पसीने छूट रहे हैं जो पंखे और कूलर चलाकर इससे राहत पा रहे हैं। तो रात में कंबल का सहारा लेकर लोग रात गुजार रहे हैं। इसके अलावा वर्तमान में आसमान पर बादल भी छा रहे हैं जिससे बारिश की संभावना बन रही है। बारिश के बाद संभावना है मौसम में उमस भी बढ़ सकती है। यानि एक ही सीजन में शहरवासियों को सर्दी, गर्मी और बरसात का सामना करना होगा।

चिकित्सकों ने जांची पुलिसकर्मियों की नब्ज

– सभी पुलिसकर्मियों का जिला अस्पताल में हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाले पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी अस्पताल कर्मियों ने ली। जिन्होंने सभी पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें जरूरी सलाह दी। इस दौरान सभी को जरूरी दवाईयां भी वितरित की गई।

एसपी जगदीश डावर ने बताया कि कई बार पुलिसकर्मी हमारे पास आते हैं जो बीमारियों के बारे में बात करते हैं। जैसे किसी को शुगर है, किसी को विटामिंस की कमी है या कोई और समस्या है। जिसे हम कई बार हल्के में ले लेते हैं, लेकिन वो आगे चलकर हमारे लिए बड़ी परेशानी बन जाती है। जिसके चलते हमने निर्णय लिया कि पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य का परीक्षण करवाया जाए और उन्हें पूरी तरह स्वस्थ रखा जाए तभी तो वो शहर की सुरक्षा कर पाएंगे। इसके लिए हमने एक हेल्थकार्ड भी बनवाया है जिसमें उनकी पूरी जानकारी रहेगी और समय-समय पर उनका परीक्षण भी किया जाता रहेगा। इसके लिए अस्पताल स्टॉफ से भी चर्चा हुई है। जिसके चलते शुक्रवार को सभी पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आरआई विक्रमसिंह भदौरिया ने बताया कि शुक्रवार को जिले भर के 45 पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया और सभी को निर्देशित किया गया कि वे अपनी रिपोर्ट वरिष्ठ कार्यालयों को भेजें।

ट्रेन स्टॉपेज को लेकर अभिभाषक संघ ने सौंपा ज्ञापन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर शाजापुर अभिभाषक संघ ने शुक्रवार को रेल प्रबंधक, रेल मण्डल भोपाल के नाम शाजापुर स्टेशन निरीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शाजापुर रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन साबरमती एक्सप्रेस, प्रतिदिन इन्दौर से ग्वालियर, रतलाम से भिंड, साप्ताहिक बान्द्रा से झांसी, सूरत से मुजफ्फरपुर, डोंड से ग्वालियर, ओखा से गोरखपुर ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग की गई। ज्ञापन में बताया कि जिला मुख्यालय शाजापुर में कोरोना काल के पूर्व अधिकतर ट्रेनों का स्टॉपेज शाजापुर स्टेशन पर रहा है, किंतु कोरोना काल के बाद से निम्नाकिंत ट्रेनों का स्टापेज नही हो रहा है। ऐसे में शाजापुर और आसपास के ग्रामीण यात्रियों को प्रतिदिन आवागमन हेतु ट्रेन में यात्रा करने हेतु शाजापुर से 25 किमी दूर स्थित मक्सी रेलवे स्टेशन जाना पड़ रहा है। यात्रियों की परेशानी का शीघ्र ही समाधान किए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन देते समय अभिभाषक संघ अध्यक्ष केके श्रीवास्तव, संघ उपाध्यक्ष मदनसिंह चौहान, अभिभाषक कृष्णकांत कराड़ा, अभिभाषक अनिल माथुर, अभिभाषक अखिलेश रजक, अभिभाषक जावेद पठान सहित अन्य संघ के पदाधिकारी मौजूद थे।

जिले में हर्ष, उल्लास, शांति व सौहार्द्र की परंपरा को कायम रखते हुए मनाये सभी त्यौहार -कलेक्टर श्री गुप्ता

सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाने एवं बच्चियों और महिलाओं से छेडखानी करने पर होगी सख्त कार्यवाही

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले में आगामी त्यौहारों होली, धुलेण्डी, रंगपंचमी शब-ऐ-बारात एवं माह अप्रैल में आने वाले त्यौहारों के अवसर पर आवश्यक विचार विमर्श, कानून व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में शांति समिति के सदस्यों से सुझाव लिये गये एवं सदस्यों द्वारा दिये गये सुझाओं पर अमल करने का आश्वासन दिया गया। शांति समिति के सदस्यों से आग्रह किया गया कि आप सभी शांति व सौहार्द्र की परंपरा को कायम रखते हुए त्यौहार मनाने के लिए नागरिकों को जागरूक करें।

बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि हर्ष, उल्लास, शांति व सौहार्द्र की परंपरा को कायम रखते हुए जिले में सभी आगामी त्यौहार मनाये। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। तीन लोग एक बाईक पर बैठन एवं शराब पीकर गाड़ी चलाने पर कार्यवाही की जायेगी। शांति समिति के सदस्य भी इस संबंध में सभी को जागरूक करें। बच्चियों और महिलाओं से छेडखानी करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिले में त्यौहारों को देखते हूए फूड विभाग द्वारा कार्यवाही की जायेगी। मिलावटी सामग्री को जप्त किया जायेगा। जिले में डीजे पर पाबंदी के संबंध में आदेश जारी किये गये। डीजे संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देशित किया जायेगा।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि गर्व की बात है कि जिले में सभी त्यौहार शांतिपूर्वक व आपसी भाईचारे की भावना से मनाए जाते है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा त्योहारों पर शांति व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाती है, किंतु यह सब आमजन के सहयोग के बिना संभव नहीं है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर कंडों का प्रयोग करें। हरे-भरे वृक्ष न काटे। होली आयोजन समितियां सुनिश्चित करेंगी कि बिजली के तारों के नीचे होली न जलाए। गुलाल आदि सूखे रंगों का उपयोग करते हुए सूखी होली खेली जाये। पानी का अपव्यय न करें। किसी भी व्यक्ति को जबरज दस्ती रंग न लगाया जाए। होलिका दहन के लिए किसी का लकड़ी का सामान उठाकर न ले जाएं।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने त्योहारों के दौरान की जाने वाली आवश्यवक व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देशित किया और बताया कि कोई भी व्यक्ति त्यौहार के दौरान जबरन चंदा वसूली नहीं करेगा और ना ही किसी को जबर जस्ती रंग या गुलाल लगाएगा। नगर निगम त्योहार के दौरान पानी की समुचित आपूर्ति करेगा। विद्युत वितरण कंपनी निरंतर विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था करें। नगर निगम द्वारा साफ-सफाई व प्रकाश व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाएं की जायेगी। स्वास्थ्य विभाग मेडिकल स्टॉफ, दवाईयां व अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। त्यौहार के दौरान ट्रेफिक व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में दिशा निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल सिंह ने कहा कि सभी लोग शांति व सदभाव से त्यौहार मनाए। कोई भी व्यक्ति गलत कार्य करता है तो उस पर कार्यवाही की जायेगी। पूर्व निर्धारित स्थान पर ही होली जलाये, यदि नये स्थान पर होली जलाते है, तो उसकी अनुमति ले। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएंगे। जिन स्थानों पर होलिका दहन सड़कों पर किया जाता है वहां मिट्टी अथवा रेत डालकर होलिका दहन करें जिससे कि सड़कों को क्षति न पहुंचे। होली पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। गंदगी न फैलाई जाए। होलिका दहन के लिए हरे वृक्षों की कटाई न करें। बिजली के तारों के पास होली न जलाएं। खाद्य पदार्थों में नशीले पदार्थ न मिलाएं।

बैठक में बीजेपी जिला अध्यक्ष श्री राजीव खण्डेलवाल, विधायक प्रतिनिधि श्री भरत चौधरी, महापौर प्रतिनिधि श्री दुर्गेश अग्रवाल, श्री राजेश यादव, श्री गुरू चरण सलूजा, श्री नोमान अहमद अशरफी, श्री मनोज राजानी, अपर कलेक्टर श्री महेन्द्र सिंह कवचे, एएसपी श्री मंजीत सिंह चावला, सहायक कलेक्टर श्री टी प्रतीक राव, नगर निगम आयुक्त श्री विशाल सिंह चौहान, सीएसपी श्री विवेक सिंह चौहान, प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री अतुल बागलीकर, श्री शौकत हुसैन, श्री अनिल सिंह बैस, श्री हेमंत शर्मा, सहित जिला शांति समिति के सदस्यगण एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

फाग उत्सव में महिलाओं ने कान्हा संग खेली होली

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। होली पर्व आने को है जिसका उत्साह अभी से नजर आने लगा है और मंदिरों में फाग उत्सव की धुम मची हुई है। शुक्रवार को भी शहर श्री गोवर्धननाथ मंदिर, द्वारकाधीश मंदिर सहित अन्य कृष्ण मंदिरों में फाग उत्सव मनाया गया। जहां महिलाओं ने भगवान श्री कृष्ण के संग होली खेली और उन्हें गुलाल लगाया। इसके बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को भी रंग-गुलाल लगाकर सभी के साथ उत्सव मनाया। इस दौरान मंदिर में भजन-किर्तन भी किए गए। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना 05 मार्च से शुरू होगी

आवेदन की सम्पूर्ण प्रक्रिया निःशुल्क रहेगी, स्व-घोषित प्रमाण पत्र मान्य होंगे

किसी प्रकार की भ्रामक जानकारी में नहीं आएं-कलेक्टर श्री वानखेड़े

आगर मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिलाओं के सर्वांगीण विकास, आर्थिक स्वावलंबन, स्वास्थ्य एवं पोषण को बनाए रखने तथा महिलाओ की परिवार में निर्णय भूमिका सुदृढ़ करने हेतु प्रदेश में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 05 मार्च को जम्बूरी मैदान भोपाल से शुभारम्भ करेंगें। योजना प्रारंभ होने के उपरान्त पात्र महिलाओं के आवेदन 25 मार्च से 30 अप्रैल 2023 तक प्राप्त किए जाएंगे।

कलेक्टर कैलाश वानखेड़े ने जिले की महिलाओं से अपील की है कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में सभी पात्र महिलाओं से आवेदन प्राप्त करने हेतु जिले के सभी गांवों एवं शहरी क्षेत्रों के वार्डों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। आवेदन की सम्पूर्ण प्रक्रिया निःशुल्क रहेगी तथा योजना में लाभ प्राप्त करने हेतु स्व-घोषित प्रमाण पत्र मान्य होंगे, इसके लिए अलग से किसी प्रकार के प्रमाण पत्र बनवाना आवश्यक नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी में नहीं आएं। योजना में निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्राप्त करने हेतु कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जा रही है, जो प्रपत्र पूर्ति करने एवं आवेदन संबंधी प्रक्रिया में सहयोग करेंगे।

योजना के क्रियान्वयन की समय-सीमा-योजना में 25 मार्च से 30 अप्रैल तक आवेदन प्राप्त किए जाएंगे, 01 मई को अनंतिम सूची जारी की जाएगी तथा 15 मई तक अनंतिम सूची पर आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी, प्राप्त आपत्तियों का निराकरण 16 से 30 मई के मध्य किया जाएगा तथा 31 मई को अंतिम सूची जारी की जाएगी। योजना में 10 जून 2023 को राशि का अंतरण पात्र महिलाओं के खाते में होगा।

लाभ की पात्रता

योजना में मध्यप्रदेश की मूल निवासी 23 से 60 वर्ष आयु के मध्य की विवाहित महिलाओं को लाभ की पात्रता होगी, योजना में विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिला भी सम्मिलित होगी। प्रत्येक पात्र महिला को उसकी पात्रता अवधि में 1000 रूपये प्रतिमाह के मान से राशि सीधे उसके आधार लिंक्ड बैंक खाते में जमा की जायेगी। किसी परिवार की 60 वर्ष से कम आयु की महिला को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में प्रतिमाह 1000 रूपये से कम जितनी राशि प्राप्त हो रही होगी, तो उस महिला को वह राशि प्रदाय कर 1000 रूपये तक राशि की पूर्ति करने का योजना में प्रावधान किया गया है। योजना में समस्त आवेदन निःशुल्क ऑनलाइन प्राप्त किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त हितग्राही यदि स्वयं उपस्थित होकर ÷आवेदन के लिए आवश्यक जानकारी का प्रपत्र÷ देती है तो उसकी भी प्रविष्टी ऑनलाइन पोर्टल पर करने की व्यवस्था की जाएगी।

आवेदन करने की प्रक्रिया-योजना हेतु आवेदन पोर्टल, मोबाईल ऐप के माध्यम से ऑनलाईन भरे जा सकेंगे। इस हेतु ऑनलाईन आवेदन करने हेतु आवेदिकाओ के द्वारा पूर्व से ही ÷ आवेदन हेतु आवश्यक जानकारी का प्रपत्र ÷ भरने की सुविधा होगी। उक्त प्रपत्र कैम्प, ग्राम पंचायत, वार्ड कार्यालय, आंगनवाडी केन्द्र में उपलब्ध होगे। भरे प्रपत्र की प्रविष्टि कैम्प, ग्राम पंचायत, वार्ड कार्यालय में नियत कैम्प प्रभारी द्वारा आनलाईन की जायेगी एवं सफलतापूर्वक दर्ज प्रत्येक आवेदन की प्रिंटेड पावती दी जावेगी। यह पावती एसएमस एवं व्हाट्सअप द्वारा भी हितग्राही को प्राप्त होगीं। उक्त प्रक्रिया में आंगनवाडी कार्यकर्ता सहयोग करेगी। ' आवेदन पत्र भरने की संपूर्ण प्रक्रिया निःशुल्क होगी ।आवेदक महिला को स्वयं उपरोक्त स्थानो पर उपस्थित होना आवश्यक होगा ताकि उसका लाईव फोटो लिया जा सके एवं ई-केवायसी किया जा सके। इस हेतु महिला को परिवार की समग्र आई डी दस्तावेज, स्वयं की समग्र आईडी दस्तावेज, स्वयं का आधार कार्ड,स्वयं का बैंक खाता, जन्मतिथि प्रमाण के लिये अंकसूची साथ लाना होगी। महिलाओं के स्वयं का आधार से लिंक्ड एवं डीबीटी इनबेल्ड बैंक खाता होना आवश्यक है।

योजना में अपात्रता-मुख्यमंत्री लाडली बहना योजनान्तर्गत वे महिलाएँ जिनके परिवार की सम्मिलित रूप से स्वघोषित वार्षिक आय 2.5 लाख से अधिक हो, जिनके परिवार का कोई भी सदस्य आयकरदाता हो, जिनके परिवार का कोई सदस्य आयकरदाता हो, जिनके परिवार का कोई सदस्य भारत सरकार एवं राज्य सरकार के शासकीय विभाग, उपक्रम, मण्डल, स्थानीय निकाय में नियमित, स्थाईकर्मी, संविदाकर्मी के रूप में नियोजित हो अथवा सेवानिवृत्ति उपरान्त पेंशन प्राप्त कर रहा हो, जो स्वयं शासन की योजना में प्रतिमाह 1000 या उससे अधिक राशि प्राप्त कर रहा हो, जिनके परिवार का कोई सदस्य वर्तमान या भूतपूर्व सांसद या विधायक रहा हो, भारत सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा चयनित, मनोनित, बोर्ड, निगम मण्डल, उपक्रम के अध्यक्ष, संचालक सदस्य हो, जिनके परिवार का कोई सदस्य स्थानीय निकायों में निर्वाचित जनप्रतिनिधि (पंच एवं उप सरपंच को छोड़कर) हो, जिनके परिवार के सदस्य के पास संयुक्त रूप से कुल पांच एकड़ से अधिक कृषि भूमि हो, जिनके परिवार के सदस्यों के नाम से पंजीकृत चार पहिया वाहन (ट्रेक्टर सहित) हो वे अपात्र होगी।

नदी किनारे लगे ईट भट्टों का किया निरीक्षण

तहसीलदार सीएमओ नगर परिषद अध्यक्ष पटवारी रहे मौजूद

जल्दी ही सर्वे कर नोटिस जारी करने का तहसीलदार साहब ने कहा है- सीएमओ »» मीट मार्केट भी हटाकर अन्यत्र जगह मुहैया कराएंगे-अध्यक्ष करोड़िया

पचोर/हेमन्त कुमार शर्मा। बीते दिन छोटे पुल के पास लगे हुए ईट भट्टों का प्रशासन ने निरीक्षण किया! ज्ञातव्य है कि नगर परिषद बड़े पुल से छोटे पुल तक और छोटे पुल से मुक्तिधाम तक मार्ग बनाने का विचार कर रही है! इसी को मद्देनजर रखते हुए गुरुवार को तहसीलदार सौरव वर्मा नगर परिषद अध्यक्ष विकास करोड़िया सीएमओ नगर परिषद पवन मिश्रा पटवारी पंकज नामदेव ने हमले सहित स्थलों का निरीक्षण किया! उपस्थित नगर परिषद अध्यक्ष विकास करोडिया ने कहा कि मुक्तिधाम मैं दाह संस्कार के लिए तो लोग बाजार से ही जाते हैं लेकिन तीसरे के दिन सारी सोरने के लिए भी उन्हें लंबा रास्ता घूम कर जाना पड़ता है! अगर मुक्तिधाम से पुराने पुल तक रोड बनता है तो सिर्फ यह 1 मिनट पैदल का रास्ता बचेगा वही पुराने पुल से नए पुल के अप्रोच रोड तक बेहद अल्प समय में पहुंचा जा सकेगा! और इस रोड निर्माण की राह में आने वाले अवरोध चाहे वह मीट मार्केट हो या कुछ अन्य हो उन्हें हटाने पर परिषद विचार कर रही है! वही वहां उपस्थित सीएमओ पवन मिश्रा ने कहा कि माननीय तहसीलदार महोदय ने उक्त जगह का सर्वे कर नदी किनारे लगे ईट भट्टे वालों को नोटिस जारी करने का आदेश प्रदान किया है! उक्त कार्रवाई हम होली एवं रंग पंचमी बाद करेंगे!

पट्टा निरस्त नहीं हुआ तो भूख हड़ताल करेंगे अवैध पट्टा देने को लेकर ग्राम पंचायत ने जताया विरोध

बिना ठहराव प्रस्ताव के दें दिया पट्टा ग्रामीणों को इसकी भनक तक नहीं पत्थर गिट्टी एवं एम सेंड खनिज हेतु दिये गए पट्टे को निरस्त करने को लेकर पंचनामा दर्ज कराया गोचर भूमि मे दें दिया गया था पट्टा

खाचरोद/दैनिक मालवा हैराल्ड/ मुरलीदास बैरागी। उज्जैन के खाचरोद तहसील के ग्राम धिनौदा मे केसरिया रोड के आसपास गोशाला के समीप भू राजस्व विभाग द्वारा पत्थर गिट्टी खनन के लिए दस वर्ष के लिये लीज पर दी गई थी !जिसकी सुचना ग्रामीणों को मिली और ग्राम पंचायत को सूचित करते हुए पट्टे को निरस्त करने के लिए तहसील मे आवेदन दिया गया और तुरंत पट्टे को निरस्त करने की मांग की गई ग्रामीणों ने आरोप लगाया की यह पट्टा अवैध रूप से दिया है और मिली भगत से इस पट्टे को वितरित किया है जो की गलत है ग्राम पंचायत घिनोदा की शासकीय गोचर भूमि सर्वे न. 2176/2440/2 में से रकबा 1.00 हे. भूमि पट्टाधारी दशरथ बम्बोरिया पिता केशवराम जी जाति धाकड़ निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी खाचरोद का? इसी सर्वे न. में 1.75 है. भूमि मुकेश पिता मदनलाल पाल्या निवासी खाचरोद को पत्थर गिट्टी एवं एम सेंड खनिज का केशर आधारित उत्खनन पट्टा दिनांक 18.01.2023 से 17.01.2033 तक पट्टे पर प्रदान की गई है जिसमे खनिज विभाग द्वारा दिनांकमे 27.02.2022 को इस सम्बन्ध में तहसीलदार महोदय के नाम एक पत्र जारी किया गया है यह कि मुकेश दशरथ बम्बोरिया को उक्त शासकीय भूमि का उत्खनन पट्टा पूर्व सरपंच ने पट्टाधारियो से मिली भगत कर पंचायत में बिना ठहराव प्रस्ताव का? पंचो की सहमति के बीना पट्टाधारियो को अनुचित लाभ पहुचाने के लिए अवैध अनुशंसा अनुमति द्वारा दी गई है जो कि उक्त शासकीय भूमि गोचर है एवम इससे लगी हुई गोशाला है तथा इससे लगा हुआ तालाब है उक्त गोचर भूमि में ग्राम में मवेशी चरते है और उक्त तालाब से गावं में पीने का पानी सप्लाय होता है ग्रामीणों ने आरोप ने बताया की उक्त भूमि के उत्खनन से गोचर भूमि पूरी तरह नष्ट हो जाएगी पंचायत में उक्त भूमि को मुकेश दशरथ को उत्खनन हेतु पट्टे पर देने के सम्बन्ध में कोई रिकोर्ड नही है ग्राम पंचायत द्वारा लगाया गया की ।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पुरुष नसबंदी करवाने हेतु लोगों को किया प्रेरित

सोयत कला/ विष्णु जाटव/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को दोपहर 1:00 बजे पिडावा रोड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पुरुष नसबंदी पकवाड़ा का आयोजन किया ।जिसमें एएनएम मनोरमा कुंभकार द्वारा उपस्थित पुरुषों को पुरुष नसबंदी से संबंधित आवश्यक जानकारी दी। एएनएम ने बताया कि पुरुष नसबंदी करवाने के बाद परेज नहीं रखने पड़ते हैं। महिलाओं में

कम वजन खून की कमी जैसी अन्य तकलीफों के कारण महिला नसबंदी में परेशानी आती है । लेकिन पुरुष नसबंदी में ऐसी कोई भी परेशानी नहीं आती है। एएनएम ने पुरुषों से अपील की है कि अधिक से अधिक पुरुष नसबंदी करवाएं। इस मौके पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मैं पदस्थ डॉ वैभव भावसार, अशोक मेहरा, प्रमोद जाटव, एएनएम मनोरमा कुंभकार सहित स्टाफ कर्मी मौजूद थे।

मजदूरन (गीत)

फसल काटकर लौट रही घर वो घूंघट की पंगत है,
हाथ में हंसिया लेकर चलती वो शक्ति की संगत है,

हाथों के मोटे छाले धान के भंडार है,
भूल कर मेकड्डअप लगी सजाने अन्न का संसार है.....।

जतन से निसृत स्वेद पोंछती रहती तपती रेत में,
बाली को सहलाकर होले होले रखती खेत में,

कितनी तकलीफों को सहती सहती कष्ट अपार है,
भूल कर मेकड्डअप लगी सजाने अन्न का संसार है.....।

कभी गगन में सूरज छिपता बादलों की ओट में,
तभी धरा पर बैठ रेत का मरहम लगाती चोट में,

बोझ उठाकर अपने सिर समझाती जीवन भार है,
भूल कर मेकड्डअप लगी सजाने अन्न का संसार है.....।

श्रम से संचित अन्न कणों की प्रहरी बन कर जीती है,
पर सच्चा भाव मिले नहीं तो घूंट ज़हर का पीती है,

फिर भी खेत जोतने जाती वो कृषक की नार है,
भूल कर मेकड्डअप लगी सजाने अन्न का संसार है.....।

- मनोज बाबू , झूंठा (पाली)

होली में अपने बालों और त्वचा को सुरक्षित रखने के उपाय!

जीएनएस। रंगों का त्योहार होली बस आने ही वाला है। यूं तो होली में हमें एक-दूसरे को रंग लगाना अच्छा लगता है, लेकिन इन रंगों के कारण हमारी त्वचा एवं बालों को होने वाले नुकसान की भी हमें काफी चिंता रहती है। आपकी इसी चिंता का समाधान करते हुये एण्डटीवी के कलाकार उन प्राकृतिक उपायों के बारे में बता रहे हैं, जिनका इस्तेमाल वे होली के दौरान अपनी त्वचा एवं बालों को स्वस्थ बनाये रखने के लिये करते हैं। इन कलाकारों में शामिल हैं- प्रीति सहाय (''दूसरी माँ'' की कामिनी), कामना पाठक (''हप्पू की उलटन पलटन'' की राजेश सिंह) और विदिशा श्रीवास्तव (''भाबीजी घर पर हैं'' की अनीता भाबी)। एण्डटीवी के 'दूसरी माँ' में कामिनी का किरदार अदा कर रहीं प्रीति सहाय ने कहा, ''होली मेरा पसंदीदा त्योहार है। मुझे रंगों से खेलना अच्छा लगता है। हालांकि, कई सुरक्षित एवं आर्गेनिक कलर्स मौजूद हैं, लेकिन अपने बालों एवं स्किन को नुकसान से बचाने के लिये कुछ बुनियादी नियमों का पालन करना बहुत जरूरी होता है। मैं अपने बालों एवं त्वचा को रंगों के हानिकारक प्रभाव से बचाने के लिये अपनी मां के साधारण लेकिन असरदार उपायों को अपनाती हूं। नारियल तेल और जैतून का तेल हर घर में उपलब्ध होता है और यह आपके बालों एवं स्किन को नुकसान पहुंचाये बिना उन्हें सुरक्षित रखने में काफी मदद करता है। नारियल का तेल त्वचा एवं बालों पर एक परत की तरह काम करता है, ताकि रंगों में मौजूद केमिकल्स प्रत्यक्ष रूप से उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा पायें। मैं होली खेलने के लिये घर से बाहर निकलने से पहले अपने चेहरे, हाथों और पैरों पर अच्छे से नारियल तेल लगाती हूं। इसके साथ ही होली से एक दिन पहले मैं रात को अपने बालों पर भी नारियल

तेल लगाती हूं, ताकि वे सुरक्षित रहें। इसलिये, मैं अपने सभी दर्शकों को सलाह देना चाहूंगी कि वे भी रंगों के दुष्प्रभाव से बचने के लिये नारियल तेल का इस्तेमाल करें। इस उपाय को अपनाकर अपने बालों एवं त्वचा को नुकसान से बचायें। आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनायें।''

कामना पाठक, जोकि राजेश सिंह का किरदार अदा कर रही हैं, ने कहा, ''रंगों के इस उत्सव का आनंद उठाने के कई कारण है, जिनमें गुलाल से खेलना और गुझिया एवं ठंडाई के मजे लेना शामिल है। लेकिन इसका बहुत अधिक खामियाजा आपकी त्वचा और बालों को भुगतना पड़ता है। रंगों से खेलने, जिनमें बहुत ज्यादा मात्रा में हानिकारक केमिकल्स होते हैं, घंटों धूप में खड़े रहने और गर्म हवाओं को सहने से आपकी त्वचा को बहुत अधिक नुकसान पहुंच सकता है। इसलिये होली से पहले और बाद में त्वचा की अच्छे से देखभाल करना बहुत जरूरी है। मेरी त्वचा काफी सेंसिटिव है और मुझे रंगों से एलर्जी

भी है, इसलिये मैं हमेशा ही आर्गेनिक रंगों के साथ खेलना पसंद करती हूं। अपनी त्वचा को रूखा होने से बचाने के लिये मैं लगातार मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करती हूं। हर साल होली खेलने के बाद मैं दही, शहद और चुटकी भर हल्दी पाउडर का इस्तेमाल कर एक पैक बनाती हूं और होली के कुछ दिनों बाद तक रोजाना इसे चेहरे, गर्दन एवं बाहों पर लगाती हूं तथा 20 मिनट के बाद धो लेती हूं। यह त्वचा की रंगत को निखारता है और उसे कोमल एवं सौम्य बनाता है। इसके साथ ही मैं ऑलिव ऑयल से बालों के स्कैल्प, जड़ों और निचले हिस्सों की मालिश भी करती हूं और बालों से रंगों को निकालने के लिये हल्के गर्म पानी का इस्तेमाल करती हूं। अनीता भाबी की भूमिका निभा रहीं विदिशा श्रीवास्तव ने कहा, ''होली खेलने के लिये घर से निकलने से पहले मैं अपनी स्किन को अच्छे से मॉइश्चराइज करना नहीं भूलती हूं। मैं सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से अपनी त्वचा को सुरक्षित रखने के लिये त्वचा पर बादाम का तेल लगाती हूं। मैं

अपनी बांहों, पैरों, गर्दन और हाथों पर इसे लगाती हूं। होली खेलने के बाद, मैं एक फेस स्क्रब का इस्तेमाल करना पसंद करती हूं। इसे मैं दो चम्मच सी सॉल्ट, एक टेबलस्पून नींबू का रस और ऑलिव ऑयल की कुछ बूंदे डालकर तैयार करती हूं। इससे मुझे त्वचा की अतिरिक्त गंदगी और ऑयल को हटाने में मदद मिलती है। धूप में काफी देर तक रहने के बाद आप छाछ लगाकर भी अपनी त्वचा को सुरक्षित रख सकते हैं। इससे त्वचा को धूप की वजह से होने वाले नुकसान से राहत मिलती है और सन टैन भी दूर होता है, क्योंकि दही में ब्लीचिंग का प्राकृतिक गुण पाया जाता है। अपने होठों और गर्दन को भी सुरक्षित रखने का ध्यान रखें। यह जादुई असर दिखाता है।''

देखिये 'दूसरी माँ' रात 8:00 बजे, 'हप्पू की उलटन पलटन' रात 10:00 बजे और 'भाबीजी घर पर हैं' रात 10:30 बजे, हर सोमवार से शुक्रवार, सिर्फ एण्डटीवी पर!

हार्ट अटैक के बारे में जानते है डॉ सुमित्रा जी से

दिल का दौरा आज के दौर में एक आम बीमारी है और भविष्य में किसे दिल का दौरा पड़ेगा या नहीं, इसका अनुमान ज्योतिष ही कर सकता है। दिल का दौरा जान भी ले लेता है, अक्सर ऐसा तब होता है जब हृदय की मांसपेशियों के एक हिस्से में ऑक्सीजन युक्त रक्त का प्रवाह अचानक अवरुद्ध हो जाता है और हृदय को ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। अधिकांश दिल के दौरे कोरोनरी हृदय रोग के परिणामस्वरूप होते हैं।दिल के दौरे का आम कारण कोरोनरी धमनी का गंभीर ऐंठन है। ऐंठन धमनी के माध्यम से रक्त के प्रवाह को काट देती है। ऐंठन कोरोनरी धमनियों में हो सकती है जो एथेरोस्क्लेरोसिस से प्रभावित नहीं होती हैं।हार्ट अटैक कभी भी अचानक हो सकता है, लेकिन कुछ लक्षण हैं, जो हार्ट अटैक के 1 महीने पहले नजर आने लगते हैं। इन 6 लक्षणों के आने से सावधान हो जाएं-

1 सीने में होने वाली किसी भी प्रकार की असहजता खास तौर से सीने में दबाव या जलन महसूस होना।

2 जल्द ही थकान महसूस होने लगना। पर्याप्त नींद लेने के बाद भी अगर आलस और थकान का अनुभव हो और दिन में भी नींद या आराम की जरुरत महसूस हो।

3 पैर के पंजे, टखने और अन्य हिस्से में सूजन और होंठों का नीला पड़ना।

4 लंबे समय तक सर्दी और कफ के साथ सफेद या गुलाबी रंग का बलगम आना।

5 दिल कमजोर होने से दिमाग तक

आवश्यकता के अनुसार ऑक्सीजन नहीं पहुंचने के कारण निरंतर चक्कर आना।

6 सांस लेने में कठिनाई होना।

हार्ट अटैक के लिए कुंडली के कोनसे घर जिम्मेदार है

ज्योतिष शास्त्र में लग्न से चतुर्थ और पंचम भाव, कर्क राशि और सिंह राशि हृदय के दाहिने भाग पर शासन करता है। राशियों में सूर्य और चंद्रमा हृदय के लिए मुख्य कारक हैं। बाएँ भाग पर ग्यारहवें और दसवें भाव का और रशिया में कुंभ और मकर का प्रभाव होता है।

हार्ट अटैक के लिए कौन से ग्रह जिम्मेदार हैं

शनि, मंगल, राहु और केतु हार्ट अटैक के लिए जिम्मेदार है।

मंगल उच्च दबाव के कारण हृदय के माध्यम से रक्त के अत्यधिक प्रवाह का कारण हार्ट अटैक करता है।

शनि हृदय के कार्य में रुकावट पैदा करता है जिससे दर्द होता है और हार्ट अटैक होता है ।

राहु अनियमित हृदय गतिविधियों का कारण बनता है और हार्ट अटैक करता है।

केतु अचानक हृदय ब्लॉक का कारण बनता है।

हल ही में सुष्मिता सेन को हृदय की समस्या आती है और उनको हस्पताल जाना पड़ता है और उनकी एंजियोप्लास्टी भी होती है।

उनकी जन्मा पत्रिका के विश्लेषण से एक खास बात सामने आती है की हृदय रोग सम्बन्धी कोई ऐसे योग योग नहीं है। फिर सवाल ये उठता है की उनको हार्ट अटैक क्यों आया। एंजियोप्लास्टी हुई है इसी से स्पश्ट है की हृदय में विशेष समस्या आई है। इसका जवाब गोचर में मिला।

सुष्मिता सेन की जन्मपत्रिका तुला लग्ना की है और इनके लग्न से चतुर्थ भाव है मकर राशि है और लग्न से पंचम भाव है कुम्भ राशि है और दोनों के स्वामी शनि है जो की दसवे भाव में चन्द्रमा के घर में है। और चन्द्रमा आंठवे भाव में है। पंचम भाव में गोचर के शनि और सूर्य है। कर्क राशि में जन्म के शनि बैठे हुए है और सिंह राशि के स्वामी सूर्य दूसरे भाव में बैठे है।

हार्ट अटैक के लिए जिम्मेदार ग्रहो में से मंगल आंठवे भाव में गोचर कर रहे है वही ऑपरेशन कराये है। शनि के स्वराशि में सूर्य और शनि का गोचर समस्या को हस्पताल तक पंहुचाने का काम किये है। बुध चौथे घर में गोचर कर रहे है जो की हृदय से सम्बंधित घर है और सुष्मिता सेन अभी बुध की सूक्ष्म दशा में चल रही है। गुरु की महादशा ने आयु की रक्षा की है।

डॉ सुमित्रा अग्रवाल
आर्टिफीसियल ऑय को , कोलकाता
यूट्यूब आर्टिफीसियल ऑय को

वजन घटने वालो के लिए खास जानते है डॉ सुमित्रा जी से शराब पीने के नियम

पीना शरीर के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और एक दिन में कम से कम छह बड़े आकार के गिलास या अधिक पानी पीने का लक्ष्य रखना चाहिए। जल के अलावा अन्य पेय पदार्थ केवल उनमें पानी की मात्रा के अनुपात में प्यास बुझा सकते हैं।वजन घटाने में सहायता के लिए अपने तरल पदार्थ का सेवन लगातार उच्च रखना अनिवार्य है। चाय और कॉफी में कैफीन होता है, जिसका हल्का मूत्रवर्धक प्रभाव होता है और यह समग्र जलयोजन को कम करता है। इसलिए ये पेय आपके आवश्यक तरल पदार्थ के सेवन में नहीं गिने जाते हैं। डिब्बाबंद पेय, जिनमें से अधिकांश कार्बोनेटेड होते हैं और कई बार शक्करयुक्त भी होते हैं, उनकी भी गिनती नहीं होती है। अन्य तरल पदार्थों के अलावा दिन में कम से कम डेढ़ लीटर पानी पिएं।

शराब से जुड़े महत्वपूर्ण जानकारी

शराब का सेवन सीमित करें।

शराब किसी भी वजन घटाने के कार्यक्रम पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती है। आंतों में फायदेमंद बैक्टीरिया के स्तर को प्रभावित कर सकता है। इसे एक साधारण चीनी के रूप में भी परिभाषित किया गया है, इसलिए यह ग्लूकोज के स्तर को काफी तेजी से प्रभावित करता है - इसके साथ ही यह निर्जलीकरण तत्व के रूप में भी कार्य करता है।वजन घटने की प्रक्रिया में शराब आपके संकल्प को कम कर देती है। दूसरे शब्दों में, भले ही आप वजन घटने के सभी सिद्धांतों का पालन कर रहे हों और अपने वजन घटाने की योजना में सफल हो रहे हों, एक गिलास शराब के बाद आपके विचार मीठे, वसायुक्त खाद्य पदार्थों की ओर भटक सकते हैं, जो आपके सभी अच्छे प्रयासों को कमजोर कर सकते हैं। सप्ताह में तीन बार से अधिक शराब न पिएं और यह कि आप खुद को सीमित करें दो ग्लास वाइन या बिना मिक्सर के दो माप स्पिरिट, जो अत्यधिक शक्करयुक्त होते हैं। पिने वालो के लिए वाइन सबसे अच्छा विकल्प है - हालाँकि मीठी वाइन से दूर रहें - इसके बाद ढेर सारा मिनरल वाटर, बर्फ और ताज़े नींबू के रस के साथ मिश्रित शुद्ध वोडका पि सकते है। बियर, स्टाउट्स, लेजर्स, या साइडर में चीनी नहीं है परन्तु खमीर होता है जो पाचन तंत्र के लिए हानिकारक है।

वजन घटना है तो नमक से परहेज करें

अत्यधिक नमक का सेवन प्यास में योगदान कर सकता है, और आधुनिक आहार में नमक के सबसे संभावित स्रोत तैयार भोजन हैं। खाना पकाने या अपने भोजन में नमक डालना बंद करें, और इसके बजाय जड़ी-बूटियों , ताज़ी पिसी हुई काली मिर्च या चीनी मुक्त सरसों का उपयोग करें।

शराब से जुड़े महत्वपूर्ण नियम

1 कभी भी खाली पेट शराब ना पिए। भोजन के साथ शराब पीना बेहतर होता है। इसलिए शराब के अवशोषण को कम करने के लिए अपना भोजन शुरू करें और फिर पहला पेय लें ।

2 सप्ताह में तीन बार से अधिक शराब न पियें ।

3 स्पिरिट को पानी और बर्फ के साथ मिलाएं, मिक्सर या फलों के रस के साथ नहीं ले ।

4 लगातार दो दिन शराब न पियें।

शराब स्वास्थ के लिए हानिकारक है हो सके तो घर, परिवार, समाज, देश और अपने लिए शराब का सेवन छोड़

डॉ सुमित्रा अग्रवाल
आर्टिफीसियल ऑय को , कोलकाता

[बाल कहानी] प्रतीक नेवला का होली त्योहार

शान्ति वन में राजा शेखर शेर के दरबार में वर्ष 2023 के होली उत्सव की तैयारी का जायजा लेने दरबार के मंत्री नन्हकू लोमड़ी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई थी।

जंगल के साथियों को इस बैठक में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया गया था।

सब साथियों को अपने अपने विचार रखने की छूट दी गई थी।

सबसे पहले राजन भालू आया। उसने इस बार प्राकृतिक रंगों से होली का त्योहार मनाएं जाने के लिए दरबार में अपना विचार रखा।

फिर प्रदीप जेब्रा को अपने सुझाव रखने का मौका मिला।

उसने रंग बिरंगी रसायन रंगों के स्थान पर घर में प्रयोग होने वाली हल्दी पाउडर से बने हुए रंगों के व्यवहार की बात कही।

फिर चिंटू सियार की बारी आने पर उसने महताब पोखर में रंगों को भरकर सब साथियों को होली उत्सव मनाने की बात कही।

तब पीछे छिपे कोमल हिरण को भी अपना विचार रखने का अनुरोध किया गया।

उसने होली त्योहार को राजा शेखर शेर के दरबार में मनाएं जाने की बात कही।

तब चुपचाप बैठे टपलू खरगोश ने अपने हाथ उठाकर अपनी ख्वाहिश जाहिर किया।

नन्हकू लोमड़ी ने तुरंत उसे अपनी बातें रखने का अवसर प्रदान कर दी।

फिर चुपचाप बैठे प्रतीक नेवला को देखकर उसके बगल मे बैठे

मिंटू बन्दर ने नन्हकू लोमड़ी को प्रतीक नेवला के मन की बातें सुनने का अनुरोध किया।

नन्हकू लोमड़ी तुरंत तैयार हो गया।

फिर प्रतीक नेवला ने अपनी बात फूलों से मोहब्बत करते हुए होली उत्सव मनाने की बात कही।

प्रतीक नेवला ने कहा कि अगर हम सब मिलकर फूलों से होली उत्सव मनाएंगे तो किसी भी साथी को कोई परेशानी नहीं होगी।

बदन और कपड़े भी सुरक्षित रहेंगे।

होली उत्सव के इस उमंग और उत्साह के त्योहार पर कोई किसी से कोई शिकवा और शिकायत नहीं करेंगे।

सब हर्ष और उल्लास से होली उत्सव का आनन्द ले सकेंगे।

तालियों की गड़गड़ाहट से प्रतीक नेवला के इस सुझाव का भरपूर समर्थन मिला।

आयोजित कार्यक्रम के अन्तिम पहर पर आए राजा शेखर शेर ने प्रतीक नेवला के सुझाव को अव्वल मानकर शान्ति वन में फूलों संग होली त्योहार मनाने का निर्णय लिया गया।

आज़ शान्ति वन में प्रतीक नेवला के इस सुझाव पर राजा शेखर शेर ने नन्हकू लोमड़ी को सारी व्यवस्थाएं करने का आदेश दे दिए हैं।

प्रेम वन के राजा नवीन शेर और उनके साथियों को भी इस बार शान्ति वन के फूलों की होली में सम्मिलित होने का निमंत्रण भेजने का निर्णय लिया गया।

प्रेम वन के साथियों में इस बार के फूलों के होली उत्सव में भाग लेने का उत्साह दिखने लगा है।सारे शान्ति वन में प्रतीक नेवला की खूब तारीफ होने लगी है।

डॉ. अशोक, पटना,बिहार।

चिंटू की पतंग

चिंटू पतंग लटाई संग लाया,
घर के छत्ते पर उड़ने पहुंचाया।
लाल और पीले रंग में है सुन्दर,
सब बच्चों को भाया यह मंजर।
पतंग खूब उड़ी ऊंची आकाश में,
लटाई था सबके संग साथ में।
रंग बिरंगी पतंग का यह मंजर,
बच्चों को लग रहा है खूब सुन्दर।
पतंगवाजी दें रहा उत्साहित रंग,
पतंग और मांझा है सबके संग।
बच्चों में उधम रहा है खूब जोर,
सबमें उमड़ा प्यार का खूब शोर ।
बच्चों को मिला पापा का साथ,
पतंगवाजी में नहीं है कोई अनाथ।
पतंगवाजी में हों रहा है होड़,
कोई नहीं दिख रहा कमजोर।
पतंग और लटाई में है हुड़दंग।
सबमें दिखता है खूब उमंग।
चिंटू की पतंग है सबको भाई,
मैदान पहुंच कर देख रहें हैं सब भाई।
आज़ है पतंग का उन्नत त्योहार,
बच्चों में दिख रहा खुशियां हजार।

-डॉ .अशोक ,पटना, बिहार।

एक ग़ज़ल

लोगों को चिन्ता है कैसे बाकी कल का जीवन निकले।।
ऐसे भटके हैं सब जैसे सुलझन में से उलझन निकले।।1।।

मैले कपड़ों में लिपटा तन हो सकता है कुछ मैला हो ,
पर निर्मल मन वालों तक के दाग़ दगीले दामन निकले।।2।।

मेरे ऊपर जान छिड़कने तक की जो कसमें खाते थे,
वक्त पड़ा तो वे ही मेरे प्राणों के धुर दुश्मन निकले।।3।।

फागुन जैसे झूमा करते कुछ भी काम न आए देवर,
सूखे साखे जेठ सरीखे जेठ बरसते सावन निकले।।4।।

औरों पर हँसने वालों ने तर्क दिए हँसना अच्छा है,
कविता बोल उठी ऐसा हो जिससे कुछ अपनापन निकले।।5।।

इतना माल दबा रक्खा था धरती के उन सन्दूकों में,
छत में लगने वाले काले कंकर तक भी कंचन निकले।।6।।

तकनीकी विद्या ने अनथक भूला बिसरा ज्ञान परोसा,
उँगली धरते ही गूगल से किस्से प्राण पुरातन? निकले।।7।।

-गिरेन्द्रसिंह भदौरिया प्राण

चटक रंगों की होली

चटक मटक रंगों से
महकी रंग रंगीली होली

सुधबुध खोती रंगों
में संग पिया के गौरी...

अल्हड़ सी नव चंचला
फागुनिया अवनि

खेतों में धान की
उडा रही हरे हरे

गुलाल की हरियाली...
फागुन ने थामा हाथ

जाते जाते बसंत का
बिखरी चहुं ओर बस

प्यार की गुलाल गुलाल...
प्रीत की बंशी टेर ग?ई

होली के नवगीतों संग
झांझ मंजीरे बजाती

मदमाती फागुनी गौरी
तन मन छाया उल्लास....

मन के कोने कोने में
लिख डाली पिचकारी से

रंगों की प्यार भरी चिट्ठी
पिया के नाम............

-लाल बहादुर श्रीवास्तव

बाल कविता

पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ, पेड़ लगाओ ।
जीवन में हरियाली लाओ ।।

अगर हमें है, जान बचाना ।
चलो आज है, पेड़ लगाना ।।

शुद्ध हवा पेड़ों से मिलता ।
इससे नित जीवन है खिलता ।।

बिना मोल के फल देते हैं ।
आने वाला कल देते हैं ।।

राहगीर को छाँया देते ।
बदले में कुछ भी ना लेते ।।

पेड़ों से खुशहाली आती ।
धरती में बारिस है लाती ।।

-मुकेश उइके मयारू

होली

छोटे बड़े सभी के मन को भाती होली।
सारे प्रेम के साथ रहो सिखाती होली।।

रंग और उमंग का ये महीना है फागुन।
साल में एक बार यह देखो आती होली।।

ठंडी ठंडी पवन चले पत्ते छेड़े राग।
बाग में कोयल कूके ज्यो गाती होली।।

नई नई धरा लगै ज्यो उमर सोलह साल।
मन रंगीला लेकर देखो आती होली।।

मन भावन ऋतु में नाचे देखो मन मयूर।
आ कोई रंग दे सबको हरसाती होली।।

ये हसी मजाक रिश्ते निभाने का है पर्व।
अधर्म पर धर्म की जीत को जताती होली।।

गांव गली चोपाल पर बज रही है चंग।
भंग की मस्ती मनहर देखो बताती होली।।

-कवि मनोहर सिंह चौहान मधुकर

स्त्री का बेचैन अंतर्मन

रिश्तो की कुरुक्षेत्र में, जो अपने आप से लड़ जाए,
जिसके बिना सृष्टि की रचना, खुद ईश्वर भी ना कर पाए!

अपना वजूद तलाशती, सपनों के पीछे भागती,
भीतर उसके खौलता इतिहास, भूगोल की तरह नाचती।

चाह कर भी जो जीवन से भाग ना पाए,
उन्मुक्त जमीन खुद की, खुला आसमा कहाँ से लाये।

अपने सपनों को त्याग, सपने तुम्हारें सजाने वाली,
अपना आँगन छोड़, घर तुम्हारा महकाने वाली।

बेजान सी चीज समझ कर, सजावट का सामान बनी,
अंतर्मन में ज्वालामुखी सी, जल रही मन की जमी।

हर स्त्री की बेचैनी, तलाशती सुकून के कुछ पल,
हाथ थाम कर बैठो कभी, शायद मिल जाए उसे बल।

-रत्ना मजूमदार

आओ खेले हम ऐसी होली

आओ खेले हम ऐसी होली
की यह यादगार बन जाए
आओ मनाएं ऐसी होली
की यह शानदार बन जाए।
आओ जलाएं ऐसी होली
की सारी नफरतें जल जाए
आओ मारें ऐसी पिचकारी
की प्रीत के रंग भर जाए।
आओ रंग ऐसा बरसाएं की
सारे दाग़ धब्बे धूल जाए
आओ रंग ऐसा हम लगाएं
की एक दूसरे के हो जाएँ।
आओ गीत हम ऐसा गाएं
की फागुन राग बन जाए
आओ झूमें नाचें हम ऐसा
की सारे गीत फाग बन जाए।

-अशोक श्री

होली के रंग

फागुल का महीना आया,
रंगों का त्योहार साथ लाया,
प्यार भरी रंग भी ले आया ,
सभी परिवारों में खुशी आया,
होली के रंग सें सबकों रंग डाला,
मुबारक हों होली का त्योहार आया।।

-मुस्कान केशरी

प्रलय काल आना तय है

मर जाएगी कविता जब प्रलय काल आना तय है
जिसको मृत्यु का भय है उसका मरना भी तय है
बड़े भए जब उड़ने लागे राह पकड़ना भी तय है
राह छोड़ जब चलने लागे खतरा होना भी तय है
मिले सहारा प्रभु कृपा से जान बचेगी यह तय है
चले जा रहे प्रेम मिलन को प्रेयसि का मिलना तय है
जिसको किया समर्पण तूंने प्यार मिले सच्चा तय है
कठिन परिश्रम का प्रसाद तुम पाओगे उन्नति तय है
आराध्य बनेगी कविता जब साक्षात्कार होना तय है
मर जाएगी कविता जब प्रलय काल आना तय है
भूचाल उठेगा पृथ्वी पर , सभी दफन होना तय है
संस्कृति अक्षुण्ण रहेगी, यह कविता की शक्ति है
हिन्दी सिर चढ़ बोलेगी , अचरज होना भी तय है

-बच्चूलाल दीक्षित

उसका सब अभिमान

मानव खुद को मानता, रमेश यदि भगवान
सच माने एक दिन पतन, उसका है श्री मान

भाई-चारे से रचा, ऐसा तू संसार
बना रहे आपस में, प्रेम भरा व्यवहार

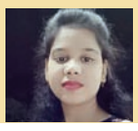

करता है जब आदमी, दूजों का सम्मान
रखता है उससे सदा, अपनी ही पहचान

अब गाता है आदमी, 'रमेश' उसके गीत
उसके हित में जो बना, उसका प्यारा मीत

मानव की होती यहाँ, सही समय पहचान
दु:ख में साथ दे करके, मदद करें श्री मान

समझे अपने आप को, रमेश बड़ा विद्वान
टूट जायेगा एक दिन, उसका सब अभिमान

पड़ गई उल्टी उसकी, चली हुई जब चाल
स्वयं ही वो उलझ गया, उसके बिछाय जाल

इस युग में जिसका करें, रमेश हम विश्वास
पीठ पीछे सदैव ही, करता वही विनास

कल तलक थे जो उनके, रमेश खासमखास
धोखा देकर तोड़ दी, उसने सारी आस

जीवन जो मिला तुमको, करें नहीं बरबाद
सुख सदा ही साथ रहे, कर ऐसा ईजाद

-रमेश मनोहरा

दर्द भरी बात

अक्सर मेरी दर्द भरी बातों सें ,
हर दिन एक पन्ना भरा करता हैं ,
वों अक्सर मुझे रूलाता हैं।
बस कलम ही मुझे चुप कराता हैं,
कोई हैं नही,
जिसकों मैं अपनी दर्दभरी बातें बताऊँ,
उस वक्त डायरी ही साथ निभाता हैं,
मेरी हर दर्द कों खामोशी से सुनता हैं,
और लिखतें लिखतें मुझे सुलाता हैं ।।

-मुस्कान केशरी

रंगों का त्यौहार है

रंगों का त्यौहार है,तरंगो का त्यौहार है
मिलकर खेले होली,रंगों का त्यौहार है

रंगे रंग एक - दूजे को मिट जाये मलाल
रंग दे प्रेम के रंग से,नीला,पीला,गुलाल
रंगों की फुलवारी में स्वागत बार-बार है
मिलकर खेले होली,रंगों का त्यौहार है

आत्मा से परमात्मा रंगे,मिल जाये कृष्णा
रंगे जीवन को रंगों से मिट जाये हर तृष्णा
परमात्मा से मिलन की अब तो मनुहार है
मिलकर खेले होली,रंगों का त्यौहार है

पाप की होली जला भस्म से ले संकल्प
धर्म पथ पर चले दूजा ना कोई विकल्प
कर्म कर अब बदलना निज व्यवहार है
मिलकर खेले होली,रंगों का त्यौहार है

होली सदा ही सदभावना का त्यौहार है
मानव से मानवता का बनेगा व्यवहार है
श्याम रंग में रंग जाये,यही सदव्यवहार है
मिलकर खेले होली, रंगों का त्यौहार है

रंगों और तरंगो संग आओ खेले होली
जाति धर्म भूलकर अब खेले हम होली
मानवता को जगाता रंगों का त्यौहार है
मिलकर खेले होली, रंगों का त्यौहार है

-प्रमेशदीप मानिकपुरी

हे अवढरदानी शंकर!

हे अविनाशी सुन मेरी भी
हाथ थाम ले तू आकर ,
मन निर्भय कर दे तू
हे अवढरदानी शंकर।
जान रहा है सबकुछ
छिपा है क्या ? तुझसे
फिर भी तू बोल भगवन
क्यों रूठा है ? मुझसे
तू जानता है केवल
मैंने विश्वास तुझी पर किया है,
इस जीवन की बागडोर
तुझे कब का सौंप दिया है।
मैं अब हूँ जैसा भी
मुझको तू अपना ले,
ओ विष पीनेवाले
अब आकर गले लगा ले।
जिसका तुमने थामा हाथ
उसको न कभी गिरने दिया,
तुम ही तो भगवन मेरे
तांडव का नर्तन किया।
अब नेत्र खोलो भगवन
दया प्रेम का तू दानी,
कर रहा है अभिषेक तेरा
मेरे आँखों का पानी।
मेरी करुण प्रार्थना
भोले अब स्वीकार करो।
मेरा भी उद्धार करो।
प्रभु मेरा भी उद्धार करो।।

-आशीर्वाद कुमार मिश्र

भावनानी के भाव

मानव जीवन को दुष्परिणामों से बचाना है

वैश्विक मंचों पर सहभागिता और सक्रियता से
जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का हल
उपाय साझा कर मिलकर निकालना है
मानव जीवन को दुष्परिणामों से बचाना है

भारत पर्यावरण चुनौतियों से निपटने
1972 से यूएनईपी के साथ जुड़ा हुआ है
यह पर्यावरण पर अग्रणी वैश्विक आवाजों
में से महत्वपूर्ण आवाज है

यूएनईपी पर्यावरण देखभाल में भागीदारी
को प्रोत्साहित देने महत्वपूर्ण काम करता है
नेतृत्व प्रधान कर प्रेरित करके सूचना
पहुंचाने और प्रेरित कर उत्साहित करता है

यूएनईपी की सराहनीय सक्रियता अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग
को मजबूत करने जलवायु परिवर्तन जैवविविधता
के सहयोग को मजबूत करने प्रदूषण कचरे से निपटने
पर्यावरण में चुनौतियों का समाधान सामूहिक करना है

- किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

मैं साजन की हो ली

होली रे, होली में हो ली, मैं साजन की हो ली।
हो ली तो फिर होली खेली, खेली होली होली।।

उड़त अबीर, गुलाल दुकूलन से छन-छन उर आबै।
नभ से प्रेम-पराग सुधाकर, रह रहके बरसाबै।।
हृदय अंकुरित साध आज, बैरी नैनन ने खोली।

बासंती रंग चढ़ौ सुनहरौ, रोमावलि मन भावैं।
कोयल, मोर, पपीहा बोलें, गीत प्रीति के गावैं।।
इंद्रधनुष अंखियन में चमकत, मन में सजे रंगोली।

मन भर मन को साधें, मन ना माने मन से बहके।
मन में मनसिज जागे, मनवा रे महुआ सा दहके।।
पुरबाई तरसाये, अंबुआ बौरे करें ठिठोली।

बैंदी, बेशर, किंकरि टूटी, पायल पग से बिछुड़ी।
मंजीरा मुश्किल में आये, पोरन-पोरन तिकड़ी।।
केशरिया रंग भयो शरम से, भींगी चुनरी-चोली।

फरिया उठी, खिसक गई अंगिया, पलक ढरक गये हौले।
काया भाई निढाल, आल तक के सब बंधन खोले।।
अधर रसायन भये, लगत बटमारे खूब तमोली।

पोरन-पोरन कसक, मसक से नस-नस ढीली पर गई।
सुध-बुध सिगरी बिगरी, मन में मदहोशी सी भर गई।।
बहकी-बहकी चाल, थरथराती-सी हो गई बोली।

-डॉ. सुनील त्रिपाठी निराला भिण्ड

बसंत काव्य गौरव सम्मान से सम्मानित हुए कवि साहित्यकार विजय कनौजिया

ग्राम काही जनपद अम्बेडकर नगर उत्तर प्रदेश निवासी युवा कवि साहित्यकार विजय कनौजिया को देश की विशिष्ट एवं उत्कृष्ट साहित्यिक संस्था विश्व हिन्दी रचनाकार मंच (पंजीकृत न्यास) द्वारा संचालित 'सम्मान योजना' के अंतर्गत राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में रचनात्मक योगदान के लिए बसंत काव्य गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

श्री कनौजिया को यह सम्मान विगत 26 फरवरी 2023 को भोपाल के हिन्दी भवन में बसंत काव्य महोत्सव के भव्य समारोह के उपरांत प्रदान किया गया ।विश्व हिन्दी रचनाकार मंच के सस्थापक/अध्यक्ष श्री राघवेन्द्र ठाकुर जी एवं शुभकामनाएं प्रेषित करने वाले सभी साहित्यिक मित्रों व शुभचिंतकों का श्री कनौजिया जी ने बहुत-बहुत आभार प्रकट किया ।

श्री कनौजिया को अब तक साहित्यिक सेवा एवं रचनात्मक योगदान हेतु विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं द्वारा 100 से अधिक साहित्यिक सम्मान प्राप्त हो चुके हैं , जिनमें श्री नर्मदा प्रकाशन लखनऊ से सुदीर्घ साहित्य साधना एवं सेवा हेतु सुमित्रानंदन पंत स्मृति सम्मान, साहित्य समर्पण सम्मान, उजेश साहित्य सम्मान, आत्म सृजन साहित्य सम्मान, वागेश्वरी साहित्य सम्मान, नवीन कदम साहित्यिक संस्था छत्तीसगढ़ द्वारा स्वामी विवेकानंद साहित्य सम्मान व माँ वीणापाणि साहित्य सम्मान 2020 तथा साहित्य संगम संस्थान नई दिल्ली द्वारा साहित्य सारथी गौरव सम्मान 2019 आदि प्रमुख हैं । श्री कनौजिया मुख्य रूप से प्रेम कविताओं के लिए जाने जाते हैं जिनकी कविताएँ व समसामयिक विषयों पर आधारित आलेख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विशिष्ट ख्यातिलब्ध समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं में नियमित रूप से प्रकाशित होती रहती हैं । विगत वर्ष भी श्री कनौजिया को विश्व हिन्दी रचनाकार मंच (पंजीकृत न्यास) द्वारा उत्कृष्ट साहित्य सेवा हेतु उत्तर प्रदेश साहित्य गौरव सम्मान 2022 से सम्मानित किया जा चुका है।

-विजय प्रकाश

लेख-तकनीक में महारत हासिल करें महिला

न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में कुछ हद तक पितृसत्तात्मक संस्कृति प्राचीन काल से ही अस्तित्व में रही है। और लैंगिक असमानता इस संस्कृति का एक बड़ा हिस्सा है। यहां तक ??कि अमेरिका और यूरोप में भी 20वीं सदी की शुरुआत तक महिलाओं को वोट देने के अधिकार से वंचित रखा गया था। महिलाएं इस अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रही थीं। 8 मार्च, 1908 को कपड़ा उद्योग की हजारों महिला श्रमिक न्यूयॉर्क में एकत्रित हुईं और एक ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। उन्होंने कार्यस्थल सुरक्षा, लिंग, संपत्ति और शैक्षिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सभी वयस्क पुरुषों और महिलाओं को वोट देने के अधिकार के लिए कई मांगें कीं। बाद में यूएनओ ने घोषणा की कि इस दिन को %अंतर्राष्टीय महिला दिवस% के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

पूरी दुनिया में मनाए जाने वाले इस अंतरराष्टीय महिला दिवस को भारत में मुंबई में मनाए जाने की शुरुआत हुए करीब अस्सी साल हो गए हैं। इस महिला दिवस के लिए विशेष रूप से युनो एक थीम प्रस्तुत करता है। ष्ठद्बद्दद्बह्लरू द्बठ्ठठ्ठश1द्बह्लद्बश्ठ्ठ × ञद्गष्द्धठ्ठश्द्यश्द्द4 द्वठ्ठ ड्डश्द्बद्दठ्ठ श्चद्बश्च2द्दह्लद्बद्दठ्ठह्ल ही यंदाची थीम आहे. पिछ्ले कुछ वर्षों में, पृष्ठभूमि में कई सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों के परिणामस्वरूप महिलाओं की सशक्तिकरण प्रक्रिया हुई है। लेकिन इस साल का महिला दिवस का कॉन्सेप्ट महिला सशक्तिकरण के लिहाज से काफी कारगर रहा है। इस अवधारणा के पीछे विचार यह है कि डिजिटल तकनीक का प्रसार और उपयोग महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के लिए होना चाहिए। और आज चारों ओर ऐसी महिलाएं हैं जो वास्तव में बहुत ही चतुराई से डिजिटल तकनीक का उपयोग कर रही हैं। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, प्रौद्योगिकी में रुचि, युवा लड़कियों के साथ होने वाले परिवर्तनों, लाभों और नुकसानों या खतरों के बारे में जानने का प्रयास किया गया।

पूर्वा पुणतांबेकर वर्तमान में लंदन में परामर्श मनोविज्ञान (कौन्सिलिंग सायकॉलॉजी) का अध्ययन कर रही हैं। वह कहती है की, ÷डिजिटल तकनीक और मानसिक स्वास्थ्य अब बहुत निकट से संबंधित हैं, शहर में डिजिटल तकनीक के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण युवाओं को तरह-तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। डिजिटल तकनीक अभी तक ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं पहुंची है। लेकिन यह भी सच है कि सोशल मीडिया और तकनीक ज्यादा से ज्यादा लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर सकते हैं।÷ हम ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों और विवाहित महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को देखते और सुनते हैं। डिजिटल या सोशल मीडिया के जरिए लोगों को इस मामले में संवेदनशील बनाना और उनकी मदद लेना आसान हो गया है, पूर्वा का यह भी कहना है। एडफैक्टर्स में काम कर रही प्रियंका जोशी के मुताबिक डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल से महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं। आज हम फूलवाले से भी यूपीआई का लेन-देन करते हैं, अगर कोई गृहिणी है, छोटा व्यवसायी है तो वह इंस्टाग्राम या फेसबुक के जरिए अपना कारोबार बढ़ा सकती है। वह कहती हैं कि डिजिटल तकनीक महिलाओं के लिए भी उपयोगी रही है, हमें सावधान रहना चाहिए कि हम इसका उपयोग कैसे करते हैं।

यह और भी संतोष की बात है कि आज की युवतियां टेक्नोलॉजी और इसी तरह के अन्य क्षेत्रों को करियर के रूप में देख रही हैं। सबकी चहेती यूट्यूबर अंकिता प्रभु-वालावलकर जो %कोकन-हार्टेड गर्ल% के नाम से मशहूर हैं। वे कहती हैं, %%इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सोशल मीडिया से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच सकते हैं। ड्डश्वह्वञ्जह्वड्डद्ग के अलावा मेरा एक स्वतंत्र व्यवसाय है जिसके लिए मैं सोशल मीडिया का उपयोग जरूर करती हूं। सोशल मीडिया का उपयोग करने में सक्षम होना या सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज की जरूरत है।÷ उन्होंने यह भी सलाह दी कि लड़कियों को सिर्फ शोहरत और पैसा पाने के लिए इस तकनीक का गलत इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अभी पिछ्ले महीने 27 फरवरी को %राष्टीय विज्ञान% दिवस था। न केवल भारतीय महिलाओं ने इस क्षेत्र में अंतहीन योगदान दिया है, बल्कि अब महिलाओं ने प्रौद्योगिकी और डिजिटल मीडिया में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। महिलाएं बड़ी-बड़ी कंपनियों में डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया, टेक्निकल एक्सपर्ट जैसे पदें काबिज की हैं। करीब 50 फीसदी लड़कियां आईटी कंपनियों में अच्छे पदों पर हैं। यही तस्वीर भारत के सुदूर ग्रामीण अंचलों में भी दिखनी चाहिए, यही युवतियों की जिद है।

डिजिटल तकनीक में सबसे आगे रहे युवतियों के अनुसार, इस युग में महिला सशक्तिकरण का वास्तव में क्या मतलब होना चाहिए? इस पर बोलते हुए, ÷आज की महिला आत्मनिर्भर है, क्योंकि वह अपने फैसले खुद ले रही है। उनके विचारों का आज सम्मान किया जाता है और उन्हें स्वीकार किया जाता है। हमारे पास बहुत क्षमता है, हमें बस खुद से बाहर निकलने की जरूरत है। मैं महिलाओं से कहना चाहता हूं कि अगर हम आत्मनिर्भर बनेंगे तो हमारा रास्ता स्वत- ही प्रगति की ओर जाएगा।÷ प्रियंका ऐसा कहती हैं। अतः पूर्वा के अनुसार सशक्तिकरण/सशक्तिकरण एक बहुत व्यापक विचार है। यदि वह पढ़-लिख नहीं सकती तो बहुत प्रयास करके कर सकती है, वह भी सशक्तिकरण है। अपने विषय पर टिके रहने के लिए, तकनीक का उपयोग करने में सक्षम होना, सोशल मीडिया आज सशक्तिकरण का प्रतीक है। आज युवक अलग-अलग शहरों में काम करते हैं, जबकि कई माता-पिता शहर या गांव में अकेले रहते हैं। वह कहती हैं कि अगर वे मोबाइल का उपयोग कर सकते हैं, तो उनका अस्तित्व आसान हो जाता है।

कुछ लोगों ने यह भी राय व्यक्त की कि दूसरों से पहले स्वयं के बारे में सोचना भी सशक्तिकरण का एक रूप है। डिजिटल मीडिया के माध्यम से शिक्षा की प्रथा ने कोरोना काल में जड़ें जमा ली हैं। बेशक इसके कई फायदे थे और आज भी ऐसा करना जारी है। इससे भी आगे जाकर यह भी कहा जा सकता है कि तकनीकी का अधिक से अधिक उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा के लिए किया जाना चाहिए, इसी माध्यम से किया जाना चाहिए। लड़कियों और महिलाओं को टेक्नोलॉजी के साथ आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है, हर लड़की को व्यक्तिगत प्रश्न पर विचार करना चाहिए कि नशे की लत के कारण इसका दुरुपयोग न हो। यह जरूरी है कि उनके माता-पिता और शिक्षक उन्हें यह सिखाएं। अंतरराष्टीय महिला दिवस के मौके पर डिजिटल तकनीक से महिलाओं के संबंधों पर बार-बार जोर दिया जाता है कि उन्हें इस तकनीक में महारत हासिल करनी चाहिए।

-मच्छिंद्र ऐनापुरे, सांगली (महाराष्ट्र)

पंचक्रोशी यात्रा 15 अप्रैल से प्रारम्भ होगी

कलेक्टर ने सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये

यात्रा का समापन 19 अप्रैल को होगा ››पंचक्रोशी यात्रियों की व्यवस्था बेहतर हो

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचक्रोशी यात्रा 15 अप्रैल से प्रारम्भ होगी। यात्रा का समापन 19 अप्रैल को होगा। कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने पंचक्रोशी यात्रा के सम्बन्ध में बैठक लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि पंचक्रोशी यात्रा एक बड़ा त्यौहार है, इसलिये सौंपे गये दायित्व का निर्वहन अपने-अपने मातहतों को जिम्मेदारी सौंपी जाये। पंचक्रोशी यात्रियों के लिये व्यवस्थाएं बेहतर करें। कलेक्टर ने एडीएम को निर्देश दिये कि बैठक में दिये गये निर्देशों का पालन हेतु 15 दिन के बाद पुनः बैठक ली जाये।

कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने पंचक्रोशी यात्रियों के लिये पड़ाव एवं उप पड़ाव पर की जाने वाली पेयजल, प्रकाश, साफ-सफाई, टेन्ट आदि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने विद्युत, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, पुलिस, राजस्व, जनपद, होमगार्ड, स्वास्थ्य, पीएचई, दुग्ध संघ, जनपद पंचायत सीईओ, शिक्षा, खाद्य, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, होमगार्ड, महिला बाल विकास, जिला पंचायत आदि के अधिकारियों को पंचक्रोशी यात्रा के पड़ाव एवं उप पड़ाव स्थलों पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने यात्रा के दौरान यात्रा मार्ग, पड़ाव एवं उप

पड़ाव स्थलों पर निजी संस्थाओं के द्वारा किये जाने वाले भण्डारों के संचालकों से समन्वय कर उन्हें आवश्यक हिदायत दी जाये।

उल्लेखनीय है कि पंचक्रोशी यात्रा अनादिकाल से प्रचलित थी, जिसे राजा विक्रमादित्य ने प्रोत्साहित कर 14वी शताब्दी से चली आ रही है। स्कंदपुराण के अनुसार अनन्तकाल तक काशीवास की अपेक्षा वैशाख मास में मात्र पांच दिवस अवंतिवास का पुण्य फल अधिक है। वैसाख कृष्ण दशमी पर शिप्रा स्नान व नागचंद्रेश्वर पूजन के पश्चात यात्रा प्रारम्भ होती है, जो 118 किमी की परिक्रमा करने के बाद कर्क तीर्थवास में समाप्त होती है और तत्काल अष्टतीर्थ यात्रा आरम्भ होकर वैशाखा कृष्ण अमावस्या को शिप्रा स्नान के पश्चात पंचक्रोशी यात्रा का समापन होता है। उज्जैन का आकार चौकोर है। क्षेत्र रक्षक देवता श्री महाकालेश्वर का स्थान मध्य बिन्दु में है। इस बिन्दु के अलग-अलग अन्तर से मन्दिर स्थित है, जो द्वारपाल कहलाते हैं। इनमें पूर्व में पिंगलेश्वर, दक्षिण में कायावरोहणेश्वर, पश्चिम में बिल्वकेश्वर तथा उत्तर में दुर्देश्वर महादेव जो चौरासी महादेव मन्दिर श्रृंखला के अन्तिम चार मन्दिर हैं।

नागचंद्रेश्वर से पिंगलेश्वर पड़ाव की दूरी 12 किमी, पिंगलेश्वर से कायावरोहणेश्वर पड़ाव की दूरी 13 किमी, कायावरोहणेश्वर से नलवा उप पड़ाव की दूरी 21 किमी, नलवा उप पड़ाव से बिल्केश्वर पड़ाव अंबोदिया की दूरी 6 किमी, अंबोदिया पड़ाव से कालियादेह उप पड़ाव की दूरी 21 किमी, कालियादेह से दुर्देश्वर पड़ाव जैथल की दूरी 12 किमी, दुर्देश्वर पड़ाव जैथल से उंडासा की दूरी किमी, उंडासा उप पड़ाव से शिप्रा घाट की दूरी 12 किमी है।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री अंकिता धाकरे, एडीएम श्री संतोष टैगोर, अपर कलेक्टर एवं प्रशासक श्री संदीप सोनी, स्मार्ट सिटी सीईओ श्री आशीष पाठक, उज्जैन व घट्टिया एसडीएम तथा सम्बन्धित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

सार समाचार

चाकू की नोंक पर मोबाइल छीनने वाले हिरासत में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चाकू की नोंक पर मोबाइल छीनने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गुरुवार को हिरासत में लिया है। बदमाशों में 2 नाबालिग है। जिनसे लूटा गया मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त बाइक और चाकू जब्त किया गया है। नानाखेड़ा टीआई ओपी अहीर ने बताया कि 26 फरवरी की रात 10 बजे प्रशांति एवेन्यू में रहने वाला दरबार पिता भगवानसिंह चौहान खाना खाने के बाद घर से टहलने निकाला था। सर्विस रोड पर उसे बाइक सवार तीन बदमाशों ने रोका और चाकू दिखाकर सेमसंग कम्पनी का मोबाइल लूटकर भाग निकले। दरबारसिंह ने वारदात की शिकायत थाने पहुंचकर दर्ज कराई थी। पुलिस ने बदमाशों का सुराग तलाशने के लिये क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और बदमाशों की बाइक का नम्बर ट्रेस कर लिया। जिसके आधार पर जयसिंहपुरा में रहने वाले सुजल और उसके 2 नाबालिग साथियों को हिरासत में लिया। तीनों ने पूछताछ में वारदात करना कबूल कर लिया। उनकी निशानदेही पर लूटा गया मोबाइल, वारदात में प्रयुक्त बाइक और चाकू जब्त किया गया है। टभ्आई अहीर के अनुसार गिरफ्त में आए एक नाबालिग के खिलाफ पूर्व में वाहन में आगजनी का मामला दर्ज होना भी सामने आया है। तीनों की फरियादी दरबारसिंह से शिनाख्त कराई जाएगी। चार दिन में वारदात में शामिल तीनों आरोपितों को गिरफ्तार करने में एसआई वेदप्रकाश साहू, चांदनी पाटीदार, प्रधान आरक्षक भवरसिंह, पियुष मिश्रा, आरक्षक पुष्पराजसिंह और सायबर सेल प्रभारी प्रतीक यादव की भूमिका रही।

दो बच्चों के पिता ने जहर खा लिया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती शाम दो बच्चों के पिता ने जहर खा लिया। बच्चे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां रात में उनके पिता की मौत हो गई। बच्चों ने आरोप लगाया कि मां के प्रेम प्रसंग से पिता नाराज थे जिसके चलते उन्होंने जहर खाया है। बेगमपुरा में रहने वाला शिवनारायण पिता गंगाराम जाटव 40 वर्ष रेलवे माल गोदाम पर हममाली का काम करता था। बीती शाम पुत्री भारती और छोटा भाई आसपास के लोगों की मदद से शिवनारायण को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जिसकी कुछ देर चले उपचार के बाद मौत हो गई। पुत्री भारती ने आरोप लगाया कि मां का प्रेम प्रसंग पवन नाम के युवक से चल रहा था। कल मम्मी घर पर नहीं थी पिता जयसिंहपुरा पवन के घर पहुंचे थे। लेकिन मम्मी नहीं आई थी। पिता को अस्पताल लाने के बाद भाई नितेश मम्मी को बुलाने गया था और पिता के बारे में बताया तो बमुश्किल मम्मी घर आई थी। पुलिस मामले में मर्ग कायम कर आज सुबह मृतक का पोस्टमार्टम कराया। परिजनों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू की जाएगी। मृतक के बच्चों ने जिस पवन बैरागी का नाम बताया है वह सब्जी बेचने का काम करता है।

असिस्टेंट प्रोफेसर के साथ मारपीट करने वाला तीसरा आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।शासकीय विधि महाविद्यालय के प्रोफेसर से हुई मारपीट के मामले में दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद तीसरे का नाम भी सामने आया है। जो शुक्रवार शाम तक पुलिस की गिरफ्त से दूर बना हुआ था एक टीम उसकी तलाश में लगी है पुलिस ने मामले में धारा भी बढ़ा दी है। एलएलबी परीक्षा के दौरान नकल कराने पहुंचे दो बाहरी युवकों को असिस्टेंट प्रोफेसर ईश्वर नारायण शर्मा ने पकड़ लिया था। दोनों युवक राहुल सोलंकी और सौरभ नागर होना सामने आए थे। परीक्षा खत्म होने के बाद दोनों ने असिस्टेंट प्रोफेसर पर हमला कर दिया था। नागझिरी पुलिस ने मामला दर्ज कर बुधवार देर रात दोनों की गिरफ्तारी की। इसके बाद सामने आया कि दोनों परीक्षा दे रहे दर्शन ठाकुर को नकल कराने पहुंचे थे। पुलिस ने मामले में दर्शन को भी आरोपी बनाते हुए उसकी तलाश शुरू की है। इस बीच गिरफ्त में आए दोनों आरोपियों को गुरुवार दोपहर न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेजा गया है। सहायक उप निरीक्षक दिनेश भट्ट ने बताया मामले में पहले धारा 341, 294, 323 का प्रकरण दर्ज किया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी और जांच के बाद मामले में धारा 353, 336, 327 बढ़ाई गई है। प्रोफ़ेसर पर हमला करने वाले आरोपियों ने कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अरुण सेठी और अन्य स्टाफ के प्रोफेसर को भी धमकाया था। गौरतलब हो कि कुछ दिन पहले इंदौर में एक छात्र ने प्राचार्य पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी कुछ दिन उपचार के बाद प्राचार्य की मौत हो गई थी। उसके बाद शासकीय विधि महाविद्यालय का मामला सामने आने पर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए 24 घंटे में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले में सख्त कार्रवाई की है।

नोडल अधिकारी नियुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने शासन की महत्वपूर्ण योजना मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना-2023 के सफल क्रियान्वयन एवं पर्यवेक्षण हेतु अपर कलेक्टर श्री अनुकूल जैन को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

शासन ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की स्वीकृति प्रदान की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन द्वारा प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन, उनके स्वास्य् एवं पोषण स्तर में सुधार तथा परिवार के निर्णय में उनकी भूमिका सुदृढ़ करने हेतु मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना-2023 की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

विश्व श्रवण दिवस पर शिविर के माध्यम से प्रदान की गई सेवाएं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिवर्ष 3 मार्च को विश्व श्रवण दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य समुदाय एवं संस्था स्तर पर श्रवण संबंधी जानकारी, बचाव एवं रोकथाम के संबंध मे गतिविधियां आयोजित करना है। साथ ही समुदाय एवं संस्था स्तर पर श्रवण संबंधी जानकारी एवं देख-रेख हेतु जागरूकता लाई जाना है। विश्व श्रवण दिवस पर जिला चिकित्सालय (डी.ई.आई.सी.) में श्रवणबाधित व नाक, कान, गला रोग से ग्रसित व्यक्तियों हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 39 श्रवणबाधित हितग्राही पंजीकृत किये गये, जिनमें से 18 हितग्राहियों के निःशक्तता प्रमाण-पत्र बनाये गये व 11 हितग्राहियों को हियरिंग एड की आवश्यकता हेतु चिन्हित किया गया। आयोजित शिविर में नाक/कान/गला रोग विशेषज्ञ डॉ.दिनेश यादव, डॉ.अंशु वर्मा, डॉ.बी.आर.रत्नाकर द्वारा उपस्थित हितग्राहियों की जांच एवं आवश्यकतानुसार उपचार प्रदान किया गया। शिविर के सफल आयोजन हेतु डॉ.रौनक एल्ची नोडल अधिकारी आरबीएसके, श्रीमती विनीषा सोलंकी डी.ई.आई.एम. आरबीएसके तथा जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र के ऑडियोलॉजिस्ट एवं सहयोगी अस्पताल अधीक्षक के द्वारा भी सहयोग प्रदान किया गया।

लाड़ली बहना योजना के शुभारंभ पर नगरीय निकायों में लगेंगे 23,360 पौधे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान अपने जन्म-दिवस 5 मार्च को 'लाड़ली बहना योजना' का शुभारंभ करेंगे। इस दिन सभी 413 नगरीय निकायों में शिव वाटिका बनाई जाएँगी। शिव वाटिका में 23 हजार 360 पौधे लगाये जायेंगे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने यह जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के जन्म के 64 वर्ष (23 हजार 360 दिन) 5 मार्च को पूरे होंगे। इसी उपलक्ष्य में 23 हजार 360 पौधे लगाने का निर्णय लिया गया है। पौध-रोपण सुबह 8 बजे से सभी नगरीय निकायों में होगा।

नगर निगम ने दुकान, गोदाम, ऑफिस, फ्लैट, वाहन पार्किंग ठेके की निविदा जारी की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिक निगम, उज्जैन के स्वामित्व के विभिन्न शॉपिंग कॉम्पलेक्स की दुकानों, गोदामों, आफिस, श्री कृष्ण सुदामा कॉम्पलेक्स की द्वितीय तल पर निर्मित आवासीय फ्लैट को भू-स्वामी का अधिकार (फ्री-होल्ड) अंतर्गत विक्रय किये जाने तथा मिर्जा नईम बेग मार्ग पर स्थित स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी मल्टी लेवल वाहन पार्किंग स्थल का ठेका कब्जा दिनांक से आगामी 03 वर्ष के लिये ठेका दिये जाने हेतु ई-निविदा जारी की गई है।

नगर पालिक निगम, उज्जैन के स्वामित्व के विभिन्न शॉपिंग कॉम्पलेक्स वार्ड क्रमांक 44 स्थित (फ्रीगंज) स्थित निर्माणाधीन शॉपिंग कॉम्पलेक्स की भू-तल/प्रथम तल/द्वितीय तल पर निर्मित कुल 26 दुकान/गोदाम/ऑफिस, वार्ड क्रमांक 19 लाला लाजपत राय मार्ग में (फाजलपुरा) स्थित निर्माणाधीन शॉपिंग कॉम्पलेक्स की भू-तल/प्रथम तल/द्वितीय तल पर निर्मित कुल 81 दुकान/गोदाम/ऑफिस, वार्ड क्रमांक 20 मिर्चीनाला स्थित शॉपिंग कॉम्पलेक्स की भू-तल/प्रथम तल पर निर्मित कुल 15 दुकान/गोदाम/ऑफिस, वार्ड क्रमांक 28 दूधतलाई स्थित श्री कृष्ण सुदामा कॉम्पलेक्स की भू-तल/प्रथम तल पर निर्मित कुल 41 दुकान/ गोदाम/ऑफिस को 30 वर्ष की लीज पर तथा श्री कृष्ण सुदामा कॉम्पलेक्स की द्वितीय तल पर निर्मित आवासीय फ्लैट को भू-स्वामी का अधिकार (फ्री-होल्ड) अंतर्गत विक्रय किया जाना साथ ही वार्ड क्रमांक 20, मिर्जा नईम बेग मार्ग पर स्थित स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी मल्टी लेवल वाहन पार्किंग स्थल का ठेका कब्जा दिनांक से आगामी 03 वर्ष के लिये ठेका दिये जाने हेतु ई-निविदा जारी की गई है।

प्रधानमंत्री ने वीसी के माध्यम से सम्बोधित कर दिशा-निर्देश दिये, वीसी में कलेक्टर भी शामिल रहे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 मार्च को प्रातः वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मिशन मोड में पर्यटन का विकास पर बजट के बाद वेबिनार को सम्बोधित किया। केंद्रीय बजट में घोषित पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विचारों और सुझावों की तलाश के लिए सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे 12 पोस्ट-बजट वेबिनार की श्रृंखला का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने उज्जैन, बनारस एवं सोमनाथ के पर्यटन के बारे में चर्चा की। उज्जैन से वीसी में कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति के लिये पर्यटन का भी बहुत बड़ा योगदान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि धार्मिक यात्राएं सदियों से होती रही है। पहले व्यक्ति कष्ट उठाकर यात्राएं करते थे, परन्तु अब इसमें

काफी सुधार हुआ है। यात्राओं को सुगम बनाने का काम सरकार के द्वारा किया जा रहा है।

आज हमारे देश में काफी पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ का पुनर्निर्माण होने के बाद दर्शनार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। गुजरात में पावागढ़ पहले और अब की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिला है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर में वृद्धि हुई है, राजस्व में वृद्धि हुई है। इन सब प्रयासों के बीच पर्यटन से जुड़े पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन से व्यक्ति के जीवन में एक नई उमंग और उत्साह बढ़ा है।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की तैयारियों हेतु बैठक ली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने प्रशासनिक भवन के सभाकक्ष में आगामी 5 मार्च को लॉंच होने वाली मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अन्तर्गत जिले में पात्र महिलाओं के चिन्हांकन, आवेदन-पत्र भरवाने तथा आवेदन की प्रविष्टि हेतु कैम्प के आयोजन के सम्बन्ध में बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री अंकिता धाकरे, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी श्री साबिर अहमद सिद्धिकी, समस्त सीडीपीओ, सीएमओ, सीईओ जनपद पंचायत और अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि यह योजना शासन की बहुत ही महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी योजना है। सभी अधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में योजना के क्रियान्वयन हेतु लीड करना होगा। इस योजना के तहत हितग्राही स्वयं घोषणा-पत्र प्रस्तुत करेंगे। सभी अधिकारियों को योजना की अपात्रता की शर्तों पर विशेष ध्यान देना होगा तथा अपने अधीनस्थ अधिकारियों को गाईड करना होगा।

कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी हितग्राही की ई-केवायसी की जांच पहले से करवा लें। बैठक में पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से योजना के उद्देश्य, योजना के अन्तर्गत पात्रता व अपात्रता, आवेदन-पत्र एवं पावती, पात्र महिलाओं के आवेदन भरवाने के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि कोई भी पात्र हितग्राही योजना में लाभ लेने से वंचित न रहे। सर्वे के दौरान इस बात का विशेष

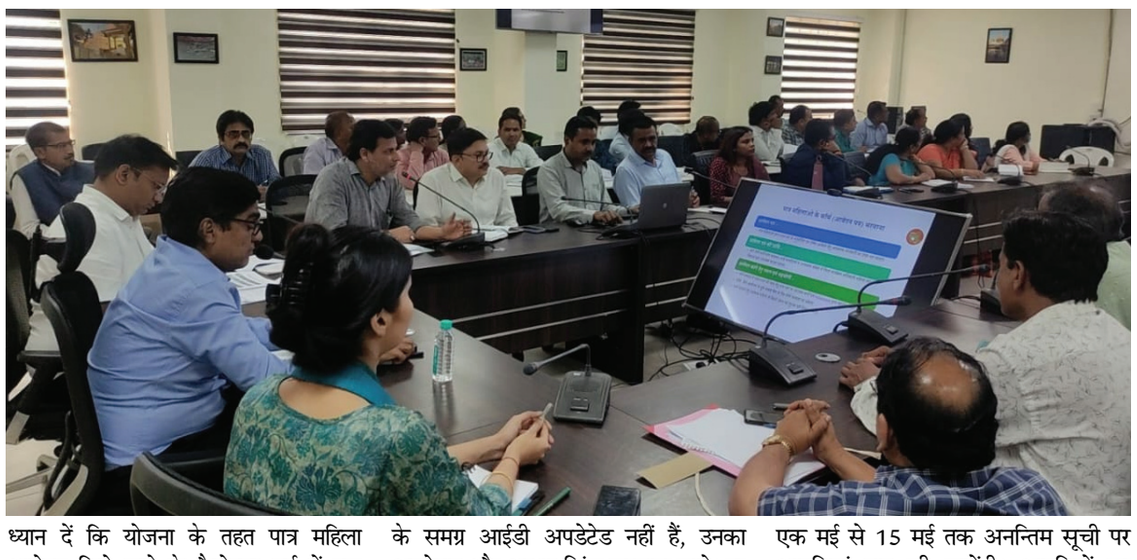

ध्यान दें कि योजना के तहत पात्र महिला आवेदन किये जाने के कैलेण्डर वर्ष में एक जनवरी की स्थिति में 23 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी हो तथा 60 वर्ष की आयु से कम हो।

कैम्प आयोजन के पहले पर्याप्त संख्या में बायोमैट्रिक डिवाइस खरीद लिये जायें और ये अच्छी गुणवत्ता के हों, यह सुनिश्चित किया जाये। सभी सीईओ जनपद पंचायत अपने-अपने क्षेत्र की वोटर लिस्ट प्राप्त करें। वोटर लिस्ट ग्रामवार निकाली जाये। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा घर-घर जाकर सर्वे किया जाये और पात्र महिलाओं को चिन्हित किया जाये। पात्र महिलाओं का डाटाबेस बनाया जाये। इसके पश्चात आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग दिलवाई जाये। जिन पात्र महिलाओं के समग्र आईडी अपडेटेड नहीं हैं, उनका अपडेशन और आधार लिंक करवाया जाये। हर गांव में दो दिन कैम्प लगाये जायें। कैम्प की तिथि निर्धारित होने पर उसकी पर्ची पात्र महिला के घर भिजवा दी जाये, ताकि शिविर के दौरान अनावश्यक भीड़ की स्थिति उत्पन्न न हो।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ट्रेनिंग सरल भाषा में करवाई जाये। प्रत्येक कैम्प का एक फालोअप कैम्प भी लगाया जायेगा। उल्लेखनीय है कि योजना का शुभारम्भ आगामी 5 मार्च को किया जायेगा। इसके बाद 15 मार्च से आवेदन प्राप्त किये जायेंगे। आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2023 निर्धारित की गई है। इसके अगले दिन एक मई को अनन्तिम सूची जारी की जायेगी। इसके बाद एक मई से 15 मई तक अनन्तिम सूची पर आपत्तियां प्राप्त की जायेंगी। आपत्तियों का निराकरण 16 मई से 30 मई तक किया जायेगा। इसके पश्चात अन्तिम सूची 31 मई को जारी की जायेगी। राशि का अन्तरण 10 जून तक किया जायेगा। इसके पश्चात प्रत्येक माह की 10 तारीख को पात्र हितग्राहियों के खाते में एक-एक हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की जायेगी।

कलेक्टर ने कहा कि जितनी अच्छी तैयारी जमीनी स्तर पर की जायेगी, योजना का क्रियान्वयन उतना ही अच्छा होगा। सभी अधिकारी एक बहुत बड़ी योजना में सहभागिता करने जा रहे हैं, इसलिये पूरी लगन और परिश्रम के साथ कार्य करें।

स्वच्छता नागरिकों में संस्कार के रूप में आत्मसात हो रही है- महापौर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता अब नागरिकों में संस्कार के रूप में आत्मसात हो रही है, हमें स्वच्छता के इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए निश्चित रूप से उज्जैन शहर को स्वच्छता में नंबर वन पर लाना है जिस प्रकार स्वच्छता अभियान में नई-नई विधा एवं आयामों को जोड़ा जा रहा है जिसमें बच्चों से लेकर युवाओं एवं बुजुर्गों तक में स्वच्छता के प्रति एक उत्साह है।यह बात महापौर श्री मुकेश टटवाल ने शुक्रवार को होटल इंपिरियल में स्वच्छता की संभागीय क्षमतावर्धन कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर कहीं। महापौर श्री टटवाल ने कहां कि हम सभी को मिल कर प्रयास करना है कि हम उज्जैन शहर को नम्बर वन बनाए इसके लिए हमे स्वच्छता सर्वेक्षण के मानको का पालन करना अति आवश्यक है। कार्यशाला का शुभारंम महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह, ज्वाइंट डायरेक्टर श्री राजीव निगम द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। नगर निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा कार्यशाला में बताया कि यह एक दिवसीय कार्यशाला संभागीय स्तर पर आयोजित की गई है स्वच्छता का उद्देश्य सिर्फ हमारे आसपास की साफ-सफाई से ही नहीं अपितु सभी जगह चाहे वह हमारे घर, प्रतिष्ठान ही क्यों ना हो यह सभी साफ और स्वच्छ होना चाहिए ।

200 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक पॉलिथीन एवं 90 लिटर ज्वलनशील एसीड जप्त करते हुए किया 28 हजार का जुर्माना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिक निगम अमले द्वारा शुक्रवार को गोपाल मंदिर एवं ढाबा रोड़ क्षैत्रों में उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री का विक्रय करने वालो के यहा कार्यवाही की गई। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 200 किलो पॉलिथीन, सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री एवं 90 लीटर ज्वलनशील एसीड जप्त किया गया तथा 28 हजार का जुर्माना वसूला गया।नगर निगम स्वास्थ्य अमले द्वारा शुक्रवार गोपाल मंदिर एवं ढाबा रोड़ क्षैत्र में प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री एवं अमानक स्तर की पॉलिथिन का विक्रय करने वाले 04 बड़े दुकानदारों के यहां से लगभग 200 किलो पॉलिथीन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री जप्त की गई वही 90 लीटर ज्वलनशील एसीड जप्त किया गया एवं 28 हजार का जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही में 3 बड़ी गाड़ियों में लगभग 200 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलिथीन तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के 5 बड़े बोरों के साथ ही खुले में बिक रहे ज्वलनशील एसिड को भी भारी मात्रा में जप्त किया गया। कार्यवाही स्वास्थ्य अधिकारी श्री मुकुल मेश्राम, स्वास्थ्य निरीक्षक श्री मुकेश कुमार भाटी, श्री अजय दावरे, श्री सोनू पटोना, दरोगा श्री अ. हमीद, मेट श्री अरविन्द, श्री इकबाल, अ. रहीम, अंकीत झांझोट द्वारा की गई।

इंजीनियरिंग छोड़ जैविक खेती को अपनाया धीरशांत ने जैविक खेती से मिल रहा लाभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन की घट्टिया तहसील के ग्राम रामपुरा निवासी धीरशांत त्रिपाठी पेशे से सिविल इंजीनियर थे, लेकिन काफी समय से वे कुछ अलग करना चाह रहे थे। बचपन से उनका रुझान खेती की तरफ विशेष रूप से था। वे जैविक खेती करना चाह रहे थे। गांव में उनके पास कुछ बीघा जमीन थी। उन्होंने इस हेतु कृषि और उद्यानिकी विभाग से सम्पर्क किया। उद्यानिकी और कृषि विभाग के द्वारा उन्हें जैविक खेती करने के लिये उचित मार्गदर्शन दिया गया। इसके परिणामस्वरूप धीरशांत ने इंजीनियरिंग छोड़ जैविक खेती को अपनाया। वर्तमान में धीरशांत 16 बीघा में जैविक पद्धति से फलों का उत्पादन कर रहे हैं। उनके बगीचे में आठ से दस प्रकार के फलों के पौधे हैं।जैविक पद्धति से उगाये गये फल बहुत स्वादिष्ट होते हैं। धीरशांत को लोगों से काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। उन्होंने बताया कि उनके पास आठ देशी नस्ल की गीर गाय हैं। फलों के पौधों से निकले अवशिष्ट से वे गायों के लिये आहार तैयार करते हैं तथा गायों के अवशिष्ट जैसे गोबर, गोमूत्र से वे प्राकृतिक रूप से खाद तैयार करते हैं। इस प्रकार एक चक्र का निर्माण होता

है। धीरशांत गीर गायों के दूध एवं अन्य उत्पाद जैसे दही, घी, पनीर, छाछ आदि का भी विक्रय कर रहे हैं। उनके व्यवसाय में धीरे-धीरे अच्छा विकास हो रहा है। पिछले तीन से चार साल में उनका डेयरी व्यवसाय अच्छी गति से संचालित हो रहा है। धीरशांत अन्य किसानों को भी जैविक खेती की ओर रुझान करने के लिये कहते हैं। उनका कहना है कि जैविक उत्पादों को अपनाकर हम प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं। उद्यानिकी और कृषि विभाग की ओर से दिये गये मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग के लिये धीरशांत आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने बताया कि उक्त विभागों के द्वारा उन्हें जैविक खेती को अपनाने में काफी सहयोग प्रदाय किया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)